संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, मंगलवार, 03 अक्टूबर 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 264 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

लोकसभा स्पीकर राष्ट्रपति महात्मा गांधी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करत हुए। साथ में हैं मल्लिकार्जुन खड़गे।

फास्ट न्यूज

कर्नाटक के शिवमोगा में धारा 144 लागू

टीम एक्शन इंडिया/शिवमोगा

कर्नाटक के शिवमोगा में ईद मिलाद जुलूस के दौरान दो गुटों में तनाव हो गया था। तनाव के एक दिन बाद सोमवार (2 अक्टूबर) को कर्नाटक पुलिस ने एक बयान में कहा कि रागी गुड्डा इलाके में अब स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। दरअसल, रागी गुड्डा के नजदीक शांति नगर इलाके में जुलूस में शामिल कुछ उपद्रवियों ने कथित तौर पर पथराव की घटना को अंजाम दिया था।

सीएम ने कहा स्थिति अब नियंत्रण में: वहीं, शिवमोगा में पथराव की घटना पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा, "ईद मिलाद का जुलूस चल रहा था, तभी कुछ उपद्रवियों ने पथराव किया। उपद्रवियों ने पुलिस पर भी पथराव किया। अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हमारी सरकार ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। स्थिति अब नियंत्रण में है।" रविवार को जुलूस में पथराव की घटनाओं के बाद इलाके में तनाव है। इलाके में धारा 144 लागू है। शिवमोगा के पुलिस अधीक्षक जीके मिथुन कुमार ने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि घटना में पुलिस के जवानों के साथ में कुछ लोगों को चोटें आई हैं और कुछ संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है।

पुलिस ने लोगों से शिकायत दर्ज कराने को कहा: जीके मिथुन कुमार ने कहा, "जिन लोगों को चोटें आई हैं और जिनकी संपत्ति को नुकसान हुआ है, हमने उनसे शिकायत दर्ज करने के लिए कहा है। हमने घटना में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। हमारे पास वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन कैमरे की वीडियो फुटेज है। हम घटना में शामिल सभी लोगों को पकड़ लेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सजा दी जाए।"

भाजपा को 10 वर्षों तक मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं...'

टीम एक्शन इंडिया/गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिससे काफी विवाद खड़ा हो सकता है। सरमा ने दावा किया है कि भाजपा को कम से कम 10 सालों तक चार चापोरी इलाके में रहने वाले मुसलमानों के वोटों की जरूरत नहीं है। बता दें कि असम में, चार चापोरी ब्रह्मपुत्र नदी और उसकी सहायक नदियों का एक क्षेत्र है जो बाढ़ के मैदानी तलछट से बना है।

बिहार: जातीय गणना रिपोर्ट जारी

= 36% अत्यंत पिछड़ा वर्ग, ओबीसी 27%; यादव 14%, ब्राह्मण-ठाकुर 3-3%, सबसे कम कायस्थ 0.60%

रिपोर्ट सार्वजनिक

8 बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ से अधिक है। यह जानकारी भी दी कि कौन सी जाति की कितनी आबादी है

अति पिछड़ी जाति में 1% से कम वाले काफी संख्या में

टीम एक्शन इंडिया/पटना

बिहार सरकार की ओर से कराई गई जातीय आधारित गणना की रिपोर्ट सोमवार जारी कर दी गई है। बिहार सरकार में अपर मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह ने यह रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ से अधिक है। साथ ही यह जानकारी भी दी कि कौन सी जाति की कितनी आबादी है। बिहार सरकार में अपर मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह ने जातीय आधारित गणना की रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि राज्य में कुल आबादी 13 करोड़ से ज्यादा है। गांधी जयंती के शुभ अवसर पर बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना के आंकड़े प्रकाशित कर दिए गए हैं। जाति आधारित गणना के कार्य में लगी हुई पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई! जाति आधारित गणना के लिए सर्वसम्मति से विधानमंडल में प्रस्ताव पारित किया गया था।

जाति आधारित गणना की रिपोर्ट में समेकित रूप से अति पिछड़ा वर्ग के लोगों की संख्या तो सबसे अधिक है, लेकिन अगर इन जातियों का ब्रेकअप देखा जाए तो इनमें एक प्रतिशत से कम संख्या वाली जातियों की संख्या सबसे अधिक है। इन जातियों में अघोरी, अदरखी, अबदल, अमात, अवध बनिया, असुर, अगरिया, इदरीसी, ईटफरोश, गदहेड़ी, ईंटपज इब्राहिमी, ईसाई धर्मावलंबी (हरिजन) उरांव, कपरिया,करमाली, कलंदर, कवार, कसाब, कागजी, कादर, किसान नागोसिया, कुल्हैया, केवट, केवर्त, गोल, कौरा, कोरा, कोस्कू, कौरवा, कोल, कोस्ता, कुरारियार और कंजर एक प्रतिशत से कम संख्या वाली जातियां हैं। इनके अलावा, खटवा, खटिक, खटिक, खलौरी, खरवार, खरिया, खेलटा, खोंड, खंगर, गद्दी, गुलगुलिया, गोड़ी, गोंड, गोराइत, गोस्वामी, संन्यासी, गंगई, गंगोता, गंधर्व, घटवार, घासी, चनऊ, चपोता, चांय, चीक, चिक बराइक, चूड़ीहार, चेरों, छीपी, जट, जटपुतिया, जागा, जोगी, टिकुलहार, ठकुराई, डफाली, बांसफोड़ और ढेकारू की संख्या भी एक प्रतिशत से कम है। भार, भास्कर, भूइया. भूईयार, भोक्ता, मझवार, मडरिया, मदार, मदारी, मलार, मारकंडे, माल पहरिया, माहली, माली, मांगर, मुकेरी, मुन्हा पातर, गिरियासीन, मोरशिकार, मोरियारी, मौलिक, रजवार, राजधोबी, राजभर, राजवंशी, रौतिया, रंगरेज, रंगवा, लहेड़ी, लालबेगी.लोहरा, वनपर, विरिजिय और शिवहरी की आबादी भी एक फीसदी से कम है। शेरशाहबादी, फकीर, सामरी वैश्य, सावर, सिंदुरिया बनिया, सुकियार, सूत्रधार, सेखड़ा, सिकलगर, सेंधवार, सोनार, सोयर, सौरिया पहाड़िया, सोता, संतराश, हलालखोर, हलवाई, गोलवारा, खत्री, धरामी, सूतिहर, बहेलिक, रस्तोगी, केवानी व अन्य भी एक प्रतिशत से कम संख्या वाली जातियां हैं।

बैठक

8 बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना को लेकर शीघ्र ही बिहार विधानसभा के उन्हीं नौ दलों की बैठक बुलाई जाएगी: नीतीश कुमार

बिहार विधानसभा के सभी नौ दलों की सहमति से निर्णय लिया गया था कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना कराएगी एवं दिनांक 02-06-2022 को मंत्रिपरिषद से इसकी स्वीकृति दी गई थी। इसके आधार पर राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना कराई है। जाति आधारित गणना से न सिर्फ जातियों के बारे में पता चला है बल्कि सभी की आर्थिक स्थिति की जानकारी भी मिली है। इसी के आधार पर सभी वर्गों के विकास एवं उत्थान के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

जल्द बुलाई जाएगी सर्वदलीय बैठक: नीतीश कुमार ने बताया कि बिहार में कराई गई जाति आधारित गणना को लेकर शीघ्र ही बिहार विधानसभा के उन्हीं नौ दलों की बैठक बुलाई जाएगी तथा जाति आधारित गणना के परिणामों से उन्हें अवगत कराया जाएगा।

'जितनी संख्या, उसकी उतनी हिस्सेदारी हो' जातीय गणना की रिपोर्ट पर बोले लालू, नीतीश की भी आई प्रतिक्रिया इस खबर में लिखे गए जातियों के नाम बिहार राज्य सरकार द्वारा जारी की गई जातिगत जनगणना की रिपोर्ट से जस के तस लिए गए हैं।

बिहार में 190 ऐसी जातियां, जिनकी आबादी एक प्रतिशत भी नहीं: रिपोर्ट

टीम एक्शन इंडिया/पटना

जाति आधारित गणना की रिपोर्ट जारी होने के बाद यह दिलचस्प आंकड़ा भी सामने आया है कि बिहार में जिन 215 जातियों की गणना हुई, उनमें 190 जातियां इस श्रेणी की हैं, जिनकी आबादी एक प्रतिशत भी नहीं। बिहार में केवल 25 जातियां ही इस श्रेणी की हैं, जिनकी संख्या एक प्रतिशत से अधिक है। एक प्रतिशत से कम आबादी वाले लोग अति पिछड़ा, मुस्लिम व सवर्ण समाज में भी हैं। अगड़ी जाति में कायस्थ सहित कई बिरादरी 1% कम अगड़ी जाति के लोगों की गणना के संबंध में जो रिपोर्ट है उसके अनुसार, कायस्थ सहित मुस्लिम समाज की दो अगड़ी जातियों की संख्या एक प्रतिशत से कम है। कायस्थ की संख्या बिहार की कुल आबादी का 0.6011 प्रतिशत है। मुस्लिम समाज में पठान अगड़ी जाति में हैं। इनकी संख्या 0.7548 प्रतिशत है। सैयद भी मुस्लिम समाज में अगड़ी जाति की गिनती में हैं। इनकी संख्या कुल आबादी का 0.2279 प्रतिशत है।

एससी-एसटी में भी 1% से कम आबादी वाले

अनुसूचित जाति व जनजाति में भी एक प्रतिशत से कम आबादी वाले हैं। इनमें धोबी रजक, धोबी (मुस्लिम), पासी, संथाल, भंगी, मेहतर, उरांव व डोम आदि का नाम लिया जा सकता है।

कैटलिन कारिको-ड्रू वीसमैन को मिला मेडिसिन का नोबेल प्राइज

उपलब्धि

8 फिजियोलॉजी या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार दो अमेरिकी वैज्ञानिकों को दिया जाएगा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

फिजियोलॉजी या मेडिसिन में वर्ष 2023 का नोबेल पुरस्कार दो अमेरिकी वैज्ञानिकों को वैक्सीन उत्पादन को आसान और तेज बनाने से जुड़ी उनकी खोज के लिए दिया जाएगा। इसी खोज का नतीजा है कि दुनियाभर में कोविड के दौरान वैक्सीन का बड़े स्तर पर उत्पादन हुआ और लोगों को जल्द ही महामारी के संकट से बचाया जा सका। करोलिंस्का इंस्टीट्यूट में नोबेल असेंबली ने आज फिजियोलॉजी या मेडिसिन में 2023 का नोबेल पुरस्कार संयुक्त रूप से न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित खोजों के लिए कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को देने का निर्णय लिया है। दोनों वैज्ञानिकों की खोज बताती है कि एमआरएनए हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ कैसे संपर्क करता है।

'राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना कराए केन्द्र सरकार'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

कांग्रेस ने केन्द्र सरकार से जल्द से जल्द राष्ट्रीय जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में यह कार्य लगभग पूरा हो गया था लेकिन मोदी सरकार ने जाति जनगणना के आंकड़े जारी नहीं किए थे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि कांग्रेस बिहार में कराई गई जातिगत जनगणना का स्वागत करती है और केन्द्र से राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना कराने की मांग करती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों को मजबूती प्रदान करने और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है।

एमपी: मोदी ने दी विकास कार्यों की सौगात

पीएम आवास योजना के दो लाख से अधिक हितग्राहियों को कराया गृह प्रवेश

विकासात्मक कार्य

8 ग्वालियर से श्योपुर ब्राडग्रेज लाइन पर सुमावली तक मेमू ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

टीम एक्शन इंडिया/ग्वालियर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मेला मैदान पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मध्य प्रदेश को 19 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने ग्वालियर से श्योपुर ब्राडग्रेज लाइन पर सुमावली तक मेमू ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही दिल्ली बड़ोदरा एक्सप्रेस-वे राष्ट्र को सौंपा। साथ ही दो लाख से अधिक लोगों को पीएम आवास योजना के घरों में गृह प्रवेश कराया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी में सभी योजनाओं के मॉडलों को देखा। प्रधानमंत्री मोदी वायु सेना के विशेष विमान से सोमवार अपरान्ह करीब तीन बजे ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद प्रधानमंत्री हेलीकाप्टर से मेला मैदान आए, जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्वागत कर उनकी अगवानी की। यहां से मोदी खुली जीप में रोड शो करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे।

राष्ट्रपति महात्मा गांधी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

सबूतों के आधार पर हो रही मणिपुर में गिरफ्तारियां: सीबीआई

टीम एक्शन इंडिया/इंफाल

इस साल मई से मणिपुर में जातीय झड़पें हो रही हैं। इसको लेकर एनआईए और सीबीआई लगातार गिरफ्तारी भी कर रही है। आदिवासी समूहों ने एनआईए और सीबीआई पर मनमानी का आरोप लगाया है, लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने सोमवार को कहा कि अशांत राज्य में की गई हर गिरफ्तारी जांच टीमों द्वारा एकत्र किए गए सबूतों पर आधारित हैं।

प्रदेश में 1000 आयुष सहायकों की नियुक्ति: मुख्यमंत्री खट्टर

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार ने योग को नागरिकों की दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प किया है। इसीलिए प्रदेशभर में योगशालाएं स्थापित करने और 1000 आयुष सहायकों की नियुक्ति करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से 882 आयुष योग सहायकों ने विभिन्न योगशालाओं में कार्यभार ग्रहण कर लिया है व शेष आयुष योग सहायकों की भर्ती का कार्य हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से प्रगति पर है। इसके दूसरे चरण में एक हजार और व्यायामशालाओं पर कार्य जल्द ही शुरू किया जायेगा। मुख्यमंत्री पंचकूला में आयोजित योग एवं आयुष सहायक प्रशिक्षण शिविर को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर जिले में कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए गए जो हर माह की 21 तारीख को गांव के योग सहायकों से रिपोर्ट लेकर मुख्यालय को भेजेंगे। इसके अलावा दूसरे चरण में सभी जिलों में विशेष योग कोच लगाए जाएंगे जो योग सहायकों को समय समय पर प्रशिक्षण देने का भी कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि व्यायामशालाओं में बायोमीट्रिक मशीन उपलब्ध करवाई जाएगी।

ऐलान

8 सरकार ने योग को नागरिकों की दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प किया: सीएम मनोहर लाल

हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस अस्पताल से लाख लोगों की आबादी को लाभ मिलेगा

सीएम केजीवाल-मान ने शुरू किया 'स्वस्थ मिशन पंजाब'

टीम एक्शन इंडिया/पटियाला

पंजाब में स्वास्थ्य क्रांति के नये दौर की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने सोमवार को पटियाला में सरकारी क्षेत्र का अपनी किस्म का पहला माता कौशल्या अस्पताल लोगों को समर्पित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री मान ने 550 करोड़ की लागत वाला स्वस्थ मिशन पंजाब शुरू किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस अस्पताल से ऐतिहासिक शहर पटियाला और इसके आसपास की लगभग 20 लाख लोगों की आबादी को लाभ मिलेगा। इस अस्पताल में 300 बेड हैं और अब इसमें 66 बेडों का विस्तार किया जा रहा है।

अस्पताल को 13.80 करोड़ रुपये की लागत से अपग्रेड किया गया है। अब यहां आईसीयू, एनआईसीयू और अन्य सुविधाएं अस्पतालों में एमरजेंसी सेवाएं चालू कर दीं जाएंगी। भगवंत सिंह मान ने यह भी कहा कि राज्य सरकार दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों के गंभीर मरीजों के लिए अति उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रानिक इंटैंसिव केयर यूनिट (ईआईसीयू) व्यवस्था शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी क्लीनिक राज्य में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को सुधारने के लिए मील के पत्थर के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन क्लीनिकों में अब तक 59 लाख से अधिक मरीज लाभ उठा चुके हैं।

स्वास्थ्य पर बल

8 केजरीवाल व भगवंत मान ने पटियाला में माता कौशल्या अस्पताल लोगों को किया समर्पित

तीन आईएसआई आतंकी गिरफ्तार

गिरफ्तार

8 एनआईए की लिस्ट में मोस्ट वॉन्टेड आतंकी शाहनवाज उर्फ शैफी उज्जमा को गिरफ्तार किया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने एनआईए की लिस्ट में मोस्ट वॉन्टेड आतंकी शाहनवाज उर्फ शैफी उज्जमा को गिरफ्तार किया दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। स्पेशल सेल ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए की लिस्ट में मोस्ट वॉन्टेड आतंकी शाहनवाज उर्फ शैफी उज्जमा को गिरफ्तार किया है। एनआईए ने इस आतंकवादी के ऊपर तीन लाख रुपये का इनाम रखा था। आतंकी से पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया है। ताजा जानकारी के मुताबित, पुलिस ने दो और आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की कस्टडी से भाग गया था शाहनवाज: मिली जानकारी के मुताबिक, पुणे आईएसआईएस केस में वांटेड था। पेशे से इंजीनियर शाहनवाज दिल्ली का रहने वाला है। पुणे पुलिस कस्टडी से फरार होकर दिल्ली में ठिकाना बनाकर रह रहा था। फिलहाल, पुलिस अभी पूछताछ कर रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एनआईए के मोस्ट वॉन्टेड आतंकवादी शाहनवाज उर्फ शैफी उज्जमा को गिरफ्तार किया है। इस आतंकवादी के ऊपर एनआईए ने तीन लाख रुपये का इनाम रखा था। वह पुणे आईएसआईएस मामले में फरार था। पेशे से इंजीनियर है। जो दिल्ली में रहता है। शाहनवाज पुणे पुलिस की कस्टडी में भाग गया था और दिल्ली में रह रहा था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुछ अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। फिलहाल, मामले की जांच चल रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और शास्त्री को जयंती पर किया नमन

जयंती

8 धामी ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर नमन करते हुए उन्हें याद किया।
सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दोनों के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि हमारे युवा पीढ़ी के लिए वे हमेशा प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।
मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि शास्त्री ने ह्यजय जवान जय किसानह्ल का नारा देकर राष्ट्र को स्वाभिमान और एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होने का रास्ता दिखाया।
इसके पश्चात मुख्यमंत्री गांधी पार्क पहुंचे। उन्होंने वहां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्मरण करते हुए कहा कि गांधी के सत्य व अहिंसा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। गांधी ने अंग्रेजी शासन से देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को जीवन में उतरना बहुत जरूरी है।

राज्यपाल ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को जयंती पर किया याद

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए याद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवाओं को दोनों लोगों के जीवन से सीख लेने की जरूरत है।
सोमवार सुबह राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। राजभवन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में भातखंडे संगीत महाविद्यालय, देहरादून के कलाकारों की ओर से गांधी के प्रिय भजन ह्यवैष्णव जन तो तैने कहिये जे पीर पराई जानि रेह्ल, ह्यश्री राम चन्द्र कृपालु भजुमनह्ल और ह्यरघुपति राघव राजा रामह्ल की संगीतमय प्रस्तुति दी गयी।
राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरे विश्व के लिए सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त किया। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं, जिससे युवाओं को सीख लेने की जरूरत है। राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को स्मरण करते हुए कहा कि उनकी सादगी और सरलता भरा जीवन हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें इन महान विभूतियों से प्रेरणा लेकर विकसित एवं विश्व गुरु भारत के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य करना होगा।
इस मौके पर प्रथम महिला गुरमीत कौर, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस. भदौरिया, उप सचिव एन.के. पोखरियाल, अनु सचिव जी.डी. नौटियाल, वित्त नियंत्रक तृप्ति श्रीवास्तव व राजभवन के अन्य अधिकारीगण एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

न्यूज फ्लैश

गांधी जयंती पर कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर आज कांग्रेस पार्टी ने पदयात्रा निकालकर उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।
कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश के नेतृत्व में यह पदयात्रा तिकोनिया चौराहे के बुद्ध पार्क से लेकर स्वराज आश्रम तक की पदयात्रा निकाली गई। इसमें पार्टी के तमाम पदाधिकारी, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कांग्रेस विधायक सुमित ने कहा महात्मा गांधी की विचारधारा से आज पूरा देश आगे बढ़ रहा है और इस देश को महात्मा गांधी की विचारधारा की जरूरत है। लाल बहादुर शास्त्री ने प्रधानमंत्री रहते हुए देश को आगे बढ़ाने का काम किया। हम सब दोनों महापुरुषों के रास्ते पर चलने का संकल्प ले रहे हैं। इस दौरान महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, महेश शर्मा, जया कर्नाटक, मयंक भट्ट, सतीश नैनवाल समेत कई कांग्रेसजन मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री शास्त्री को जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में पुलिस बहुउद्देशीय भवन, हल्द्वानी में उन्हें नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। एसपी सिटी हरबंस सिंह ने इन महान विभूतियों को स्मरण कर पुलिस के जवानों को उनके विचारों , मार्गों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में भूपेंद्र सिंह धौनी सीओ सिटी हल्द्वानी समेत शाखाओं के प्रभारी एवं पुलिस कर्मचारियों ने महान विभूतियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

बापू और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को याद किया

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
सारथी फाउंडेशन समिति के कार्यालय विमल कुंज छोटी मुखानी में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें याद किया गया।
संस्था के संस्थापक संयोजक नवीन पंत ने बापू के स्वच्छता अभियान को हर एक मनुष्य की सोच से जोड़ते हुए कहा कि स्वच्छता सिर्फ और सिर्फ सोच से होती है। यदि मनुष्य अपने मन में ठान ले कि हमें एकल प्लास्टिक को नहीं अपनाना है तो धीरे धीरे यह हमारी जिंदगी से दूर होते जायेगा और समाज इससे होने वाली बीमारियों से बच सकेगा।
संस्था अध्यक्षा सुमित्रा प्रसाद ने बापू को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बापू ने समाज को हर क्षेत्र में चाहे स्वच्छता हो, छुआछूत हो उसे समाज से हटाने का कार्य किया। साथ ही खादी के प्रचार प्रसार के लिए भी कार्य किया। संस्थापक सदस्य ज्ञानेंद्र जोशी ने कहा की देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जब देश में गेहूं की कमी हुई तो स्वयं आगे बढ़कर खेती के जरिए देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। अंत में सभी ने रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन तो तेने कहिए और वंदे मातरम गाकर कार्यक्रम किया गया।
इस मौके पर नवीन पंत, सुमित्रा प्रसाद, ज्ञानेंद्र जोशी, योगेश पांडे, गिरिश लोहनी, डॉ. जाकिर हुसैन, दीक्षा पन्त पाण्डे, पूजा पंत, हेमा जोशी, तनुजा टकवाल, गीता बेलवाल, तारा बिष्ट, मंजू सनवाल, बबिता तकवाल, वर्षा टंडन, नवीन शर्मा, कृष्णा आदि मौजूद रहे।

नदी किनारे पानी पीने आया गुलदार, लोगों में दहशत का माहौल

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
हल्द्वानी के काठगोदाम क्षेत्र में आज गुलदार की दहशत देखने को मिली। काठगोदाम गौला बैराज के पास आज सुबह के समय गौला नदी के किनारे गुलदार देखने को मिला। इससे आसपास रहने वाले लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने गुलदार की वीडियो बनाई। बताया जा रहा है कि गुलदार काफी बड़ा था, जो नदी के पास पानी पीने को आया था। कुछ देर बैठने के बाद वह ऊपर जंगल की तरफ चला गया। फिलहाल गुलदार को देखकर आसपास के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है और सभी ने वन विभाग से सुरक्षा की गुहार लगाई है।

नगरपालिका पर भ्रष्टाचार की जांच के लिए जिलाधिकारी ने बनाई समिति

चम्पावत/टीम एक्शन इंडिया
नगरपालिका परिषद, चम्पावत में पिछले कुछ दिनों से निर्माण कार्यों के टेंडरों में गड़बड़ी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। इस तरह के आरोप पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया में भी प्रसारित हो रही हैं।इस बारे में भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला महामंत्री सूरज प्रहरी ने भी डीएम को ज्ञापन सौंप कर विभिन्न कार्यों की जांच की मांग की गई थी। डीएम नवनीत पांडे ने प्राप्त विभिन्न शिकायतों का संज्ञान लेते हुए नगरपालिका परिषद के कार्यों की जांच को समिति का गठन किया है। जांच समिति के अध्यक्ष एसडीएम चम्पावत होंगे, जबकि वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा नामित कोषाधिकारी/ उप कोषाधिकारी व लोनिवि चम्पावत के ईई के नामित सहायक अभियंता सदस्य होंगे।

न्यायालय परिसर में मनाई गई गांधी और शास्त्री की जयंती

चम्पावत/टीम एक्शन इंडिया
गांधी जयंती के अवसर पर जिला न्यायालय चम्पावत सभागार कक्ष में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री का जयन्ती समारोह कार्यक्रम हुआ।
इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि दी गई। तत्पश्चात जिला बार संघ के अधिवक्तागण, कर्मचारीगण एवं न्यायिक अधिकारीगणों ने गांधी और शास्त्री जी के सम्बन्ध में अपने अपने विचार व्यक्त किए गए।प्रभारी जिला जज, सिविल जज सीडि हेमन्त सिंह राणा की अध्यक्षता एवं सिविल जज सीडि/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन में जिला न्यायालय चम्पावत के समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं जजशिप के समस्त कर्मचारीगण, अधिवक्तागण आदि ने जिला न्यायालय चम्पावत के न्यायालय परिसर के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया।

एसडीआरएफ में बापू व शास्त्री को किया गया याद

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय जॉलीग्रांट में दोनों महापुरुषों को याद किया गया। एसडीआरएफ कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने "रघुपति राघव राजा राम" की ध्वनि के बीच महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों का अनावरण एवं माल्यर्पण किया। सेनानायक मणिकांत मिश्र ने कहा है कि हमें गांधी व शास्त्री जी के पदचिन्हों पर चलते हुए सत्यवादी और अहिंसावादी रहना चाहिए। इस अवसर पर शांति सौहार्द व एकता की शपथ भी ली गई। सेनानायक मणिकांत मिश्र ने स्वच्छता के लिए उपनल कर्मी चंद्रेश्वर कुमार, नन्हे कुमार, बॉबी कुमार, करन कुमार, मोहित कुमार को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम में वाहिनी मुख्यालय में उपसेनानायक विजेंद्र दत्त डोभाल, शिविरपाल राजीव रावत, निरीक्षक प्रमोद रावत, ललिता नेगी, जगदम्बा प्रसाद, अनिरुद्ध भंडारी, कर्ण सिंह, उप निरीक्षक जयपाल राणा, विजय प्रसाद, एडिशनल उप निरीक्षक मथुरा प्रसाद एवं अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

वन अनुसंधान संस्थान में मनाई 154वीं गांधी जयंती

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 154वीं जयन्ती मनाई गई। संस्थान के दीक्षान्तगृह में डा. रेनू सिंह, निदेशक वन अनुसंधान संस्थान एवं अन्य अधिकारियों ने सवर्प्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।
संस्थान निदेशक ने वन अनुसंधान संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। प्रातः 7.00 से 8.00 बजे तक संस्थान परिसर में एक सफाई अभियान भी चलाया गया।

गांधी जयंती के अवसर पर हर घर की गई झोला अभियान की शुरूआत

चंपावत/टीम एक्शन इंडिया
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती को पूरे जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। जिलाधिकारी कार्यालय प्रांगण में जिलाधिकारी नवनीत पांडेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया कर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। जिलाधिकारी कार्यालय सभागार में राम धुन, वैष्णव जन भजन एवं गाँधी जी के जीवन से सम्बन्धित विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत की स्वतंत्रता के लिए लम्बी लड़ाई लड़ी। उन्होंने सत्य और अहिंसा के आदर्शों पर चलकर भारत को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने में अमूल्य योगदान दिया। हम सभी को बापू के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना और देश हित के लिए अपना योगदान देना चाहिए।
जिलाधिकारी ने कहा कि गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि को सम्पूर्ण देश में स्वच्छता पखवाड़ा चलाया गया है। क्योंकि स्वच्छता एक ऐसा विषय था, जिसके बारे में महात्मा गांधी की जीवन पर्यन्त गहरी दिलचस्पी रही। जिलाधिकारी ने स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई।
उन्होंने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्री लाल बहादुर शास्त्री ने स्वतंत्रता के आंदोलन में अपने सिद्धान्तों पर रहते हुए देश के किसानों और जवानों के लिए जय जवान, जय किसान का नारा दिया। इस अवसर पर सभी जनपद की तहसीलों एवं कार्यालयों पर कार्यालयाध्यक्षों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और दोनों महान महापुरुषों को याद कर उनके चित्रों पर माल्यार्पण किया।
नगर पालिका अध्यक्ष विजय वर्मा ने जनपद को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने हेतु नगर पालिका परिषद चम्पावत के तत्वावधान में हर घर झोला अभियान का शुभारंभ किया। इसे जिले की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बनाया है, जिससे प्लास्टिक उपयोग में कमी आई और पर्यावरण साफ व स्वच्छ होगा।

पुलिस मुख्यालय में मनायी गई गांधी जयंती

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस मुख्यालय में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर एक सादे समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी पीवीके प्रसाद ने गांधी और शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण किया और अहिंसा की शपथ दिलाई।
इस अवसर पर अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन, वी मुरुगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस दूरसंचार, ए पी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, विम्मी सचदेवा, पुलिस महानिरीक्षक, मुख्यालय, नीलेश आनन्द भरणे, पुलिस महानिरीक्षक, पी/एम सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गांधी और शास्त्री के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं : गणेश जोशी

मसूरी/टीम एक्शन इंडिया
कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मसूरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए दोनों महापुरुषों को नमन किया।
इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें,उनके दिए गए मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं।
सोमवार को मंत्री गणेश जोशी महात्मा योगेश्वर सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, मसूरी में गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने महात्मा गांधी मूर्ति और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। योगेश्वर सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज मसूरी में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।
मंत्री जोशी ने छात्र छात्राओं और उपस्थित लोगों से कहा कि गांधीजी को "राष्ट्रपिता" के रूप में सम्मानित किया जाता है, क्योंकि उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को अद्वितीय तरीके से नेतृत्व किया और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक अद्वितीय अहिंसा और सत्याग्रह के माध्यम से लिया।
उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के दिए गए संदेशों में आहिंसा, सद्भंथ, सर्वोदय और सर्वधम् समानता के मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान है। महात्मा योगेश्वर सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज प्रांगण में महात्मा गांधी की नई स्थापित प्रतिमा का निर्माण भी किया जाएगा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि लालबहादुर शास्त्री का हरित क्रांति और औद्योगिकीकरण में दिखाया गया मार्ग सदैव देश वासियों को स्मरणीय रहेगा। उनके आदर्श और विचार देशवासियों को युगों-युगों तक प्रेरणा देते रहेंगे।
इस मौके पर गांधी सोसायटी अध्यक्ष शैलेंद्र कर्नवाल, मदन मोहन शर्मा, प्रो. गणेश शैली, अशोक अग्रवाल, चंद्र प्रकाश, आभा शैली, राकेश अग्रवाल, ओपी उनियाल, मंडल अध्यक्ष राकेश रावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन पेटवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष गीता कुमाई, आलोक मल्होत्रा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत कठूक की आशा देवी को वन विभाग ने किया सम्मानित

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के दशोली विकास खंड के ग्राम सभा कठूड की आशा देवी को प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखंड सरकार की ओर से सम्मानित किया गया। सोमवार को गांधी और शास्त्री की जयंती पर आयोजित केदारनाथ वन प्रभाग की ओर से एक समारोह में दिया गया। प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखंड सरकार की ओर आशा देवी को वन पंचायत की भूमि पर हो रहे लगातार अतिक्रमण को हटाये जाने के साथ ही वन पंचायत की भूमि पर विभिन्न प्रजाति के पौधों को रोप कर उसे जंगल का स्वरूप दिये जाने के लिए सम्मानित किया गया है। आज एक कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित करते हुए केदारनाथ वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी इंद्रसिंह नेगी ने कहा कि जंगलों को बचाने में महिलाओं की अहम भूमिका रही है। महिलाएं ही जंगलों की भलीभांति समझते हुए उनका संरक्षण भी करती है।

आंदोलनकारियों की आशाओं को पूरा करना हमारी प्राथमिकता: सीएम धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने सोमवार को शहीद स्थल रामपुर तिराहा, मुजफ्फरनगर में राज्य आन्दोलनकारी शहीदों की पुण्य स्मृति पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद राज्य आन्दोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 02 अक्टूबर 1994 को उत्तराखंड के अलग राज्य की प्राप्ति के लिए आन्दोलन कर रहे हमारे नौजवानों और माता-बहनों के साथ क्रूरता पूर्वक बर्ताव किया

गया। अनेक आन्दोलनकारियों की इसमें शहादत हुई। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। राज्य आन्दोलनकारियों के किये गये संघर्षों के परिणामस्वरूप हमें उत्तराखंड अलग राज्य मिला। राज्य आंदोलनकारियों के सपनों एवं संकल्पों के आधार पर राज्य के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सभी आंदोलनकारियों को पूरा मान-सम्मान और अधिकार देने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी नौकरियों में दस प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन बढ़ाने के साथ ही राज्य आंदोलकारियों की मृत्यु के पश्चात उनके आश्रितों को भी पेंशन देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का ह्वविकल्प रहित संकल्पह्व लेकर आगे बढ़ रही है। सरकार की नीतियों के केंद्र में राज्य का सर्वांगीण विकास है। राज्य सरकार उत्तराखंड को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट उत्तराखंड बनाने के लिए वचनबद्ध है। आज केदारनाथ पुनर्निर्माण, बदरीनाथ के मास्टर प्लान कार्य के साथ ही मानसखंड मंदिर माला मिशन पर कार्य चल रहा है। वाइब्रेंट विलेज के तहत सीमांत क्षेत्र में बसे गांवों को प्रथम पंक्ति में लाने का कार्य किया जा रहा है।

पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ

वार्षिकोत्सव

8 विधायक भूपाल राम राम टम्टा ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के देवाल स्थित हिमालयन पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव सोमवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ।

वार्षिकोत्सव का उद्घाटन थराली के विधायक भूपाल राम राम टम्टा ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा की विद्यालय शिक्षा के साथ बच्चों को संस्कार भी दे रहा है। विधायक ने स्कूल को प्रोजेक्टर देने की घोषणा की है। इस अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाउंनी गीतों से सभी का मनमोहा। साथ ही जनजागरूकता कार्यक्रमों से स्वच्छता को संदेश भी दिया। स्कूल के प्रबंधक सुरेश कुनियाल ने स्कूल की प्रगति रिपोर्ट को अभिभावकों के सम्मुख रखी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जिपंस देवी जोशी, आत्मा राम मिश्र, गणेश चन्द्र, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह बिष्ट, यशवंत बडियारी, प्रबंधक सुरेश कुनियाल, नंदी कुनियाल, दीपा कुनियाल, अध्यापक भुवन चंद्र मिश्र, आनंद बिष्ट, विपिन चन्द्र, लीला, नीलम, तारा देवी, आशा, सुमित्रा आदि मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में बाप-बेटे की मौत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पर सड़क दुर्घटना में बाप और बेटे की मौत हो गई।

घटना कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र की है जहां टूरिस्ट बस ने एक ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टक्कर मार दी।

इस टक्कर के दौरान ट्रैक्टर ट्राली पलटने से पिता और बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार सुबह रुड़की की ओर से मनसब पुत्र महबूब और अदनान पुत्र मनसब निवासी इब्राहिमपुर ट्रैक्टर ट्राली में चरी लेकर ज्वालापुर की ओर आ रहे थे।

लगातार तीसरे दिन भी जाम से कराहती दिखी तीर्थ नगरी

भारी जाम

8 -यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने में पुलिस प्रशासन हुआ नाकाम, वाहनों के दबाव में सिकुड़ी सड़कें

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
तीसरे दिन भी तीर्थ नगरी दिन भर भारी जाम से कराहती रही। पुलिस प्रशासन सोमवार को हालात को नियंत्रित करने में गांधी जयंती पर पूरी तरह से नाकाम रहा।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त धार्मिक और पर्यटन नगरी ऋषिकेश लगातार जाम की समस्या की जकड़ में है। पुलिस-प्रशासन के तमाम प्रयासों के बाद भी इस समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है। सोमवार को भी शहर में यातायात की व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतरी नजर आई। वीकेंड के बाद सोमवार को भी शहर के हरिद्वार मार्ग पर जाम से लोगों को जूझना पड़ा। लगातार बढ़ रही जाम की समस्या से नाराज लोगों का कहना था कि इससे राहत दिलाने को लेकर न तो संबंधित अधिकारियों और न ही जनप्रतिनिधियों को किसी प्रकार की सुध है।सड़क पर लगातार बढ़ते वाहनों के दबाव व पटरियों पर अतिक्रमण के चलते तीर्थ नगरी में जाम की समस्या नासूर बनती जा रही है। इसमें कभी एंबुलेंस फंसती तो कभी छात्र-छात्राएं जाम से निकलने का प्रयास करते दिखे। जाम में फंसने से एक तरफ जहां तमाम छात्र-छात्राओं को विलंब से विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों की डांट सुननी पड़ी, वहीं निजी व सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी भी विलंब से पहुंचे। उधर लगातार जाम में फंसे रहे लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जाम की समस्या से राहत दिलाने को लेकर न तो संबंधित अधिकारी और न ही जनप्रतिनिधि ही गंभीर हो रहे हैं। इसका खामियाजा प्रतिदिन आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। नगर कोतवाल खुशीराम पांडे का कहना था कि नगर में आने वाले हरिद्वार से ट्रैफिक को नियंत्रित किए जाने के लिए नेपाली फार्म से डायवर्जन बनाया गया है। इसके बावजूद भी पिछले 2 दिन से अवकाश होने के कारण अन्य प्रदेशों से आने वाले वाहनों के कारण जाम कि स्थिति ही बनी है। इसे नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मासिक आध्यात्मिक कार्यक्रम में परमार्थ चिंतन की उपयोगिता पर दिया गया बल

देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) द्वारा दिव्य धाम आश्रम, दिल्ली में मासिक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिए गए जीवन के लिए महत्वपूर्ण अध्यात्म के मार्मिक संदेशों को
आत्मसात करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए। डीजेजेएस प्रतिनिधियों ने अमूल्य आंतरिक अनुभवों और अध्यात्म से उद्धृत जीवन की शिक्षाओं को सांझा किया। इन विचारों ने प्रत्येक साधक को धर्म एवं नीतिपरायणता के पथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। जिस प्रकार से छात्र को किसी शैक्षणिक विषय पर मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए शिक्षक की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार एक पूर्ण गुरु आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, जो एक शिष्य के लिए उसकी आंतरिक यात्रा में पथप्रदर्शक बनते हैं। वे आंतरिक जाग्रति प्रदान कर शिष्य को जीवन
के परम लक्ष्य की ओर अग्रसर करते हैं। संक्षेप में कहें तो एक पूर्ण गुरु केवल श्रेष्ठ विचारों और सिद्धांतों की बड़ी बड़ी बातें नहीं करते, बल्कि उन्हें शिष्य में उतार कर एक परिवर्तनकारी यात्रा के अग्रणी बनते हैं। इन विचारों से श्रद्धालुओं को अपने जीवन में आध्यात्मिकता को अभिन्न अंग के रूप में अपनाने के लिए प्रेरणा मिली। उन्होंने विपत्तियों का सामना करने एवं जीवन में नैतिकता का वरण करने का संकल्प धारण
किया। कार्यक्रम का समापन ध्यान साधना और सामूहिक भोज के साथ हुआ।

आईएएस बनने के सपने को मिलेगी नई उड़ान

रेवाड़ी। करियर के तमाम नए अवसरों के बावजूद भारत में करोड़ों युवाआज भी बड़े होकर आईएएस, आईपीएस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। यही वजह है कि लाखों बच्चे अपने इस सपने को पूरा करने के लिए कई-कई साल दिल्ली, पटना, इलाहाबाद जैसे बड़े शहरों में रहकर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली इस परीक्षा की तैयारी में खुद को झोंक देते हैं। लेकिन इन बच्चों से भी ज्यादा तादात उन बच्चों की है जो सिविल सर्विसेज परीक्षा में सफल होकर प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना तो देखते हैं मगर आर्थिक तंगी के कारण, इस परीक्षा की विधिवत तैयारी के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं कर पाते। अगर आप भी इन्हीं बच्चों में से एक हैं तो मेड ईजी ग्रुप का नेक्स्ट आईएएस इंस्टीट्यूट आपके लिए एक स्कॉलरशिप प्रोग्राम लेकर आया है। यह सुनहरा अवसर आपके आईएएस अधिकारी बनने के सपने को सच करने की दिशा में आशा की किरण साबित हो सकता है। इसके तहत आप इंग्लिश और हिंदी माध्यम सेजनरल स्टडीज के प्री-कम-मेंस फाउंडेशन कोर्स (ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन मोड) में ट्यूशन फीस पर 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप पा सकते हैं।

इस स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन आने वाली 15 अक्टूबर को किया जा रहा है और इसके लिए रजिस्ट्रेशन 5 अक्टूबर तक ही किए जा सकते हैं। इस स्कॉलरशिप टेस्ट को पास करने वाले बच्चों को 26 अक्टूबर 2023 से 31 जुलाई 2024 तक के बैचों में पढ़ाया जाएगा। नेक्स्ट आईएएस के सेंटर दिल्ली, भोपाल और जयपुर में बनाए गए हैं, ताकि आप अपने घर के करीब रहकर बेहतर तैयारी कर सकें।

जीवन एक रंगमंच, सभी निभाते हैं अपना-अपना किरदार:भारती

देहरादून। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की शाखा, 70 इंदिरा गांधी मार्ग, (सत्यशील गैस गोदाम के सामने) निरंजनपुर के द्वारा आज आश्रम प्रांगण में दिव्य सत्संग-प्रवचनों एवं मधुर भजन-संकीर्तन के कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सद्गुरू श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या तथा देहरादून आश्रम की प्रचारिका साध्वी विदुषी जाह्नवी भारती जी ने उपस्थित भक्तजनों को मानव जीवन की विकट और संघर्षशील स्थित पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानव जीवन एक प्रकार का रंगमंच ही तो है जिसमें सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होती है। कोई जीवन की बाजी जीतकर तो कोई अपनी भूमिका में विफल होकर संसार से कूच कर जाता है। अनेक पात्रों को जीते हुए मनुष्य अपने परम लक्ष्य के प्रति यदि जागरूक नहीं हुआ तो समूचा जीवन ही व्यर्थ चला जाता है। यदि शाश्वत ईश्वरीय मार्ग प्राप्त हो जाए, संत-सदगुरू के कृपाहस्त तले सनातन ब्रह्मज्ञान के द्वारा भक्ति मार्ग की प्राप्ति हो जाए तो इसी में मनुष्य जीवन का परम कल्याण है। मानव के समक्ष दो मार्ग हुआ करते हैं एक प्रेय मार्ग होता है।

जिला कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न स्थानों पर गांधी और शास्त्री को किया याद

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
जिला कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी की उपस्थिति में गांधी और शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। इसके उपरान्त गांधी जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम, रामधुन का गायन किया गया।

जिलाधिकारी सोनिका ने दोनों महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने देश के लोगों को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना सिखाया, अपने हक के लिए अंग्रेजों के जुल्म के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से लड़ने की प्रेरणा दी। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देश को संकल्प शक्ति दी और अनाज उत्पादन के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि हमें इन महापुरुषों के योगदान को याद करके कुछ सीखना चाहिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजी शरण शर्मा, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, नाजिर शिव भक्त बड़थवाल, प्रधान सहायक राजेन्द्र सिंह, रमेश भट्ट, इन्द्रेश कोठारी सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर रिंग रोड, देहरादून स्थित सूचना निदेशालय में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। महानिदेशक सूचना ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अहिंसा का जो मार्ग दिखाया हमें जीवन में उसका अनुसरण कर आगे बढ़ना है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देश को ह्यजय जवान जय किसानह्य का नारा देकर एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होने का संदेश दिया। महात्मा गांधी और शास्त्री जी का जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर सूचना विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में बाप-बेटे की मौत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पर सड़क दुर्घटना में बाप और बेटे की मौत हो गई। घटना कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र की है जहां टूरिस्ट बस ने एक ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर के दौरान ट्रैक्टर ट्राली पलटने से पिता और बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार सुबह रुड़की की ओर से मनसब पुत्र महबूब और अदनान पुत्र मनसब निवासी इब्राहिमपुर ट्रैक्टर ट्राली में चरी लेकर ज्वालापुर की ओर आ रहे थे। उनके ट्रैक्टर के पीछे पश्चिम बंगाल की एक टूरिस्ट बस भी तेज रफ्तार से आ रही थी।

विस अध्यक्ष ने बापू को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

गांधी जयंती

8 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए पथ पर चलकर देश को और प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण इन दिनों घाना के प्रवास पर हैं।

उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर अफ्रीकी देश के घाना अकरा में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनको नमन किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए पथ पर चलकर देश को और प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

देश महापुरुषों का ऋणी है : कांग्रेस प्रदेश करन माहरा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में ध्वज फहराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश इन महापुरुषों का ऋणी है।

इस मौके पर माहरा ने गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि गांधी दिखावेबाजी के खिलाफ सख्त खिलाफ थे। उनके सोच,सिद्धांत से भारत ही नहीं विश्व के लोग आज भी प्रभावित हैं। भाजपा सरकार हर समय और हर चीज में दिखावा कर रही है।

महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी ने कहा कि गांधी और शास्त्री जैसे महापुरुषों ने देश के साथ साथ कांग्रेस पार्टी के इतिहास को भी समृद्ध किया है। सत्य अहिंसा के पुजारी बापू ने कांग्रेस पार्टी का जनाधार व्यापक किया, जिससे पार्टी राष्ट्रीय आंदोलन में सार्थक भूमिका का निर्वहन कर सकी।

गांधीवादी

8 बापू के सच्चे शिष्य शास्त्री ने दिखाया कि गांधीवादी सिद्धांतों को कैसे आचरण में ढाला जा सकता है।

बापू के सच्चे शिष्य शास्त्री ने दिखाया कि गांधीवादी सिद्धांतों को कैसे आचरण में ढाला जा सकता है।

दोनों महापुरुषों को कांग्रेस कार्यकर्ता नमन करते हैं। इसके उपरांत अध्यक्ष करन माहरा, के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने गांधी पार्क स्थित गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। मूर्ति को दूध से स्नान भी कराया गया। इस मौके पर गांधी पार्क में पौध रोपण भी किया।

इस मौके पर पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा, प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन/प्रशासन मथुरादत्त जोशी, पूरन सिंह रावत,मनीष नागपाल,गरिमा मेहरा दसोनी,उर्मिला थापा, आशा टम्टा, मनमोहन शर्मा, आदित्य गर्ग, राजेश पुंढीर, आफताब, जगदीश धीमान, सावित्री थापा,अनुराधा तिवारी, सुनील जायसवाल, अरुण रतूड़ी, उदय सिंह रावत, मान सिंह, रंजीत सिंह रावत, प्रवीण भारद्वाज, सलमान, आदि उपस्थित थे।

चमोली जिले में महात्मा गांधी गांधी और लाल बहादुरशास्त्री की जयंती धूमधाम के मनायी गई

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिवस पूरे जिले में श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी राजकीय भवनों, कार्यालयों एवं संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। प्रातः काल स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाल कर गांधी और शास्त्री को नमन किया।

जिला कार्यालय परिसर में अपर जिलाधिकारी डॉ.अभिषेक त्रिपाठी ने गांधी और शास्त्री के चित्रों का अनावरण कर माल्यार्पण किया। इस दौरान बापू के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम का गायन कर उन्हें याद किया गया। बापू एवं शास्त्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महापुरुषों के जीवन आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कलेक्ट्रेट परिसर एवं शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया गया।

अपर जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि गांधी जयंती हमें बापू के आदर्शों की याद दिलाती है। आजीवन अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने वाले बापू ने संपूर्ण मानव जाति को न सिर्फ मानवता का पाठ पढ़ाया बल्कि जिदंगी जीने का सही तरीका भी सिखाया। बापू ने स्वच्छ भारत का सपना देखते हुए अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था। आज बदलती जीवनशैली में स्वच्छता के लिए हमें बापू के आदर्शों पर चलना चाहिए।

इस दौरान मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहां ने भी बापू और शास्त्री के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। गांधी जयंती के अवसर पर जिला कारागार पुरसाडी में कैदियों, जिला चिकित्सालय में मरीजों और वृद्धाश्रम में निराश्रित बुजुर्गों में फल वितरण किए गए। दशोली ग्राम स्वराज मण्डल गोपेश्वर संस्थान सगर में ऊन कताई कार्यक्रम हुआ। खेल विभाग की ओर से अंडर-14 आयु वर्ग में कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिताओं के विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया।

थराली में भी नगर पंचायत थराली और स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष दीपा भारती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान नगर पंचायत के ब्रांड एम्बेसडर रमेश चन्द्र थपलियाल एव नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी टंकार कौशल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही स्वच्छता रैली राजकीय इंटर कॉलेज थराली के प्रधानाचार्य महिपाल सिंह फर्स्वाण, एनसीसी के कैप्टन मनोज बिजल्वाण आदि मौजूद थे।

इधर कर्णप्रयाग महाविद्यालय में गांधी-शास्त्री जयंती का समारोहपूर्वक आयोजन हुआ। प्राचार्य प्रो. केएल तलवाड ने झंडारोहण कर गांधी और शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि दी गई। विद्यालय परिवार ने देश की इन महान विभूतियों का भावपूर्ण स्मरण और नमन किया। सामूहिक रूप से रामधुन का गायन किया गया।

गांधी और शास्त्री जयंती के मौके पर चमोली जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला मुख्यालय गोपेश्वर के तिराहे पर कार्यक्रम आयोजित कर गांधी और शास्त्री को नमन किया गया। साथ ही रामधुन का गायन भी किया गया।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष योगेन्द्र बिष्ट, आनंद सिंह पंवार, अरविंद नेगी, जिलाध्यक्ष महिला ऊषा रावत, भगत कनियाल, संदीप झिंक्वांण, धीरेन्द्र गरोडिया, नरेन्द्र भारती, दीवान सिंह बिष्ट, देवेन्द्र फर्स्वाण, जयवीर नेगी, गोपाल रावत, पुष्कर सूरी, राहुल कुमार, मदन लाल, दर्शन लाल, एम पलेठा, किशोरी लाल आदि मौजूद थे।

संपादकीय

भारत ग्लोबल साउथ की सशक्त आर्थिक आवाज

भारत स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद अथक प्रयास करने के पश्चात आधुनिक भारत के स्वप्न द्दष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी कार्यप्रणाली इसी सोच के साथ आगे बढ़ाई थी कि भारत अब एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं आर्थिक रूप से संपन्न राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर कर आया है। इसी तारतम्य में 1952 से प्रारंभ की गई पंचवर्षीय योजनाओं के तहत कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक द्दष्टिकोण तथा सोच को मूर्त रूप दिया गया था। समय समय मैं सरकारें बदलती रहे और भारत विकास की ओर धीरे-धीरे बढता रहा। आज वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त विकास किया है, भारत विश्व में पांचवी आर्थिक स्थिति बन चुका है दूसरी तरफ विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी में भी अहम स्थान रखता है। सामरिक तौर पर भी भारत की सेना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखती है ।अब पाकिस्तान या चीन की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सीधा भारत पर आक्रमण कर सकें। भारत ने विकास कर यह साबित कर दिया है भारत अब पुराना भारत नहीं रहा है और अब किसी भी विषम परिस्थिति मैं भारत सीना तान कर खड़ा हुआ है'

मैं किसी पार्टी विशेष का पक्षधर नहीं हूं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी ,अटल बिहारी वाजपेई, डॉ मनमोहन सिंह और अब नरेंद्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक पटल पर एक सम्मानजनक इस स्थिति में ला खड़ा किया है' अटल बिहारी जी के नेतृत्व में हम परमाणु शक्ति संपन्न देश बने थे और इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में हमने 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर कर उसका विभाजन कर बांग्लादेश नामक नए देश का जन्म करवाया था'

पर मैं यहां बात विकास के वास्तविक धरातल और देश में गरीबी तथा बेरोजगारी उन्मूलन की करना चाह रहा हूं. हमारा देश अभी भी गरीबी ,बेरोजगारी ,भुखमरी, असमानता, अंधविश्वास, आडंबर और धार्मिक कट्टरपंथ का सामना करते हुए उस गति से विकास नहीं कर पा रहा है जिसके लिए वह अत्यंत समर्थ है' आज भारत की धमक अमेरिका से लेकर जापान तथा अफ्रीकी देशों में भी है भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत अमेरिका फ्रांस ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड ब्राजील इजरायल और सऊदी अरेबिया देश के अनेक राज्यों के राष्ट्रीय प्रमुख हुक्मरानों ने दिल खोलकर किया है, नरेंद्र मोदी की वैश्विक हैसियत इसी बात से पता चलती है कि बाहुबली अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका ऑटोग्राफ लेने की गुजारिश की है और पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्र प्रमुख ने उनके चरण छूकर उनका अभिवादन किया ,यह संभवत चमत्कारिक प्रभाव भारत के शक्तिशाली होने एवं वैश्विक शांति के प्रति देश की प्रतिबद्धता के कारण ही हुआ है'

पर दूसरी तरफ भारत की अंदरूनी स्थिति में भारत 140 करोड़ की जनसंख्या वाला देश हो गया है' विकास की कल्पना में भारत आर्थिक तौर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो, इस स्थान पर गरीबी बेरोजगारी असमानता का उन्मूलन हो चुका हो। इसी तरह भारत कच्चे तेल के संकट से मुक्त होकर उर्जा संपन्न देश बने और भारतीय मुद्रा का चलन वैश्विक स्तर मैं सम्मान पूर्वक हो सके। सामाजिक स्तर पर विभिन्न लक्षित वर्गों जैसे दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, आदिवासी, महिलाओं तथा बच्चों के लिए लाभकारी नीति बनाई जानी चाहिए।

भाजपा का मध्यप्रदेश मॉडल एक तीर से कई निशाने

ऋतुपर्ण दवे

> "राजस्थान में भी चुनावी सरगर्मी चरम पर है। गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे केसाथ हुईमहज15 मिनट की बैठक चर्चाओं में है।यहां भाजपा की200 सीटों पर निकली 4 परिवर्तन यात्राओं में जुटी भीड़, उसमेंभी ज्यादातर में वसुंधरा का गायब रहना और इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की ताजा तस्वीरें सामने आने के गहरे मायने हैं। यहाँ प्रेशर पॉलिटिक्स कीपक रही नई खिचड़ी कौन खाएगा यही बड़ा सवाल है?संकेतोंको समझें तोमध्यप्रदेश मॉडल के तहतकेंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा कुछ अन्य सांसद मैदान में दिखेंगे। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों में से 80 की सूची तैयार है। भाजपा ने 21 प्रत्याशियोंकी पहली सूची अगस्त में ही जारी कर दी थी"

क्या देश के अगले आम चुनाव के लिए दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में नया प्रयोग करने जा रही है? क्या यही प्रयोग राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी होगा? मध्य प्रदेश विधानसभा उम्मीदवारों की हालिया सूचियों में बड़े-बड़े नाम यहां तक केन्द्रीय मंत्री, सांसद और संगठन के छत्रपों के जारी हुए हैं। इससे न केवल दूसरे प्रतिद्वन्दी दलों की सांसें अटकी हुईं हैं बल्कि खुद भाजपा के संभावित दावेदार भी हक्का-बक्का हैं।राजनीतिक पण्डितों का मानना है कि यह एक तीर से कई निशाने लगाने जैसा है। निश्चित रूप से भाजपा जो दांव खेल रही है वह भारत की राजनीति में कइयों को अटपटा या नया भले लगे लेकिन हवा का रुख भांपने वालों का मानना है कि राजनीतिक बैरोमीटर परसंभावित आंधी-तूफान के संकेत भांपतेहुए ही ऐसा बड़ा कदम उठाया होगा?

फिलाहाल टिकट वितरण को लेकर मध्यप्रदेश मॉडल की जहाँ पूरे देश में चर्चा है। इसके राजनीतिक मायने भी बहुत गहरे हैं। भाजपा यहां कांग्रेस की 15 महीने पुरानी सरकार गिराकर फिर सत्ता में आई थी।अब भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयर्गीय, केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित प्रभावशाली सांसद राकेश सिंह (जबलपुर), गणेश सिंह (सतना), उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद), रीति पाठक (सीधी) को सीधी विधानसभा चुनाव के रण में उतारनाबताता है कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को अछूता नहीं रख जहां-तहां ऐसे प्रत्याशी उतारेगी जो पूरे क्षेत्र में तो प्रभावी हों और कम से कम उस पूरे अंचल या संभाग में भी असर डालें।

भाजपा ने शुरूआती सूची में मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल, महाकौशल-विन्ध्य, भोपाल-नर्मदापुरम पर जबरदस्त फोकस किया है। अब कयास है कि अगली सूची में शेष निमाड़, बुन्देलखण्ड, उत्तर पश्चिम मालवा, नर्मदा उद्गम संभाग (शहडोल) सहित बांकी सीटों में कइयों पर चौंकाने वाले प्रत्याशी देगी।अभी 320 सीटों में केवल 79 सीटों की घोषणा ने ही राजनीति में नई लहर पैदा कर दी है। इसमें भाजपा ने केवल वर्तमान 3 विधायकों की टिकट काटी है।सबसे चर्चित नाम मैहर से नारायण त्रिपाठी का

है जिन्होंने हमेशा अपना बगावती सुर दिखाया। उनकी जगह श्रीकांत चतुवेर्दी को टिकट दिया जो ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी हैं।वहीं सीधी से केदारनाथ शुक्ला की जगह सीधी सांसद रीति पाठक को टिकट देना अचंभित करने वाला है। सीधी के चर्चित पेशाब काण्ड के आरोपी प्रवेश शुक्ला को केदारनाथ शुक्ला का करीबी बताकर विपक्ष ने देश-प्रदेश में काफी हंगामा किया था। लगता है कि यह कहीं न कहीं डैमेज कंट्रोल है। इसी तरह नरसिंहपुर विधायक जालिम सिंह की टिकट उनके छोटे भाई केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह सांसद)को देकर भोपाल-नर्मदापुरम अंचल की सभी सीटों को साधने की कोशिश हुई है।अभी महज 79 घोषित प्रत्याशियों के जरिए भाजपा ने मध्यप्रदेश में अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं।आगे 241 सीटों पर प्रत्याशी तय होने बांकी हैं जिनमें उत्तरप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र की सीमा से जुडे तमाम क्षेत्र भीहैं।

क्षेत्रीयता के हिसाब से महाकौशल में सबसे ज्यादा 38 में से 22 सीटों पर,मालवा-निमाड़ में 66 में से 21, ग्वालियर-चंबल की 34 में से 15,भोपाल-नर्मदापुरम की 36 में से 7, विंध्य की 30 में 7 तो बुंदेलखंड की 26 में से 7 सीटों पर प्रत्याशीचयन हो चुका है। निश्चित रूप से चंद दिनों में मध्यप्रदेश सहित सभी पांच राज्यों में चुनावी अखाड़ा सजते ही एक से एक और ऐसी राजनीतिक तस्वीरें आएंगी जिनमें कई पहली बार दिखेंगी तो कई उम्मीदों से इतर भी होंगी। बावजूद इसके मध्यप्रदेश में मुकाबला भाजपा बनाम जनता दिख रहा है। कांग्रेस कमलनाथ के उदारवादी हिन्दू चेहरे पर दंगल में उतरने के बावजूद संगठन के लिहाज से भाजपा से उन्नीस क्या पंद्रह भी नहीं है। यहां विज्ञप्तिवीरों को छोड़ दें तो कांग्रेस धरातल पर सिवाय कुछ इलाकों के वर्षों से कहीं दिखी नहीं। गत वर्ष के नगरीय चुनावों में कई बूथों पर कांग्रेसी एजेण्ट तक नहीं थे। कहीं बहुमत में आकर भी अध्यक्ष की दौड़ में मात खा गई। ऐसे में मध्यप्रदेश का मुकाबला भाजपा और जनता के बीच है जिसमें रणीतिक रूप से भाजपा भारी पड़ेगी।

राजस्थान में भी चुनावी सरगर्मी चरम पर है। गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे केसाथ हुईमहज15 मिनट की बैठक चचाओं में है।यहां भाजपा की200 सीटों पर निकली 4 परिवर्तन यात्राओं में जुटी भीड़, उसमेंभी ज्यादातर में वसुंधरा का गायब रहना और इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की ताजा तस्वीरें सामने आने के गहरे मायने हैं। यहाँ प्रेशर पॉलिटिक्स कीपक रही नई खिचड़ी कौन खाएगा यही बड़ा सवाल है?संकेतोंको समझें तोमध्यप्रदेश मॉडल के तहतकेंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा कुछ अन्य सांसद मैदान में दिखेंगे। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों में से 80 की सूची तैयार है। भाजपा ने 21 प्रत्याशियोंकी पहली सूची अगस्त में ही जारी कर दी थी। अब 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री के बस्तर आने से पहले दूसरी सूची जारी हो जाए?मध्यप्रदेश मॉडल यहां भी चचाओं में है।

चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री महीनों से ताबड़तोड़ दौरे, घोषणाएं और रेवड़ियां बांट लोगों को लुभाने में कोई कमीं नहीं छोड़ रहे हैं। तीनों हिन्दी पट्टी इलाकों में कहीं भी मौजूदा या पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा सामने नहीं रखना भाजपा की गंभीरता और विवशता दोनोंदिखाता है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह 17 वर्षों से मुख्यमंत्री हैं तो छत्तीसगढ़ में रमन सिंह 15 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे। दोनों के नाम पहली सूची में नहीं है। वहींराजस्थान में5बार सांसद, 4 बार विधायक और 2 बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे अलग ही चचाओं में हैं। कभी लगता है कि भाजपा डरी हुई है तो कभी लगता है कि भाजपा गंभीर है और कभी लगता है कि भाजपा जनता के मिजाज को भांप, अपने अंदर हीसाफ-सफाई में तो नहीं लगी हुई है? अब वजह जो भी हो वो शीर्ष नेतृत्व जाने लेकिन जिस तरह के बयान गुजरे रविवार को सीहोर की एक जनसभा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिए और कहा कि ह्यमैंने राजनीति की परिभाषा बदल दी है। मैं सरकार नहीं परिवार चला रहा हूं, मेरे जैसे भैया नहीं मिलेगा, जब मैं चला जाऊंगा तब आप सबको बहुत याद आऊंगा।' उस बयान के राजनीतिक अखाड़े में कई मायने लगाए जा रहे हैं।वहीं जिस तरह से टिकट वितरण में अब तक जो सच सामने है उससे काफी कुछ समझा जा सकता है और बयान से जोड़ा भी रहा है। लेकिन इतना तो है कि विपक्ष को भी भाजपा कमतर नहीं आंक रही है क्योंकि छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठनात्मक रूप से राजस्थान-मध्यप्रदेश के मुकाबलेमजबूत है। राजस्थान की नई राजनीतिक खिचड़ी कांग्रेस-भाजपा दोनों के लिए चुनौती से कम नहीं है। मिजोरमऔर तेलंगाना का मिजाज तीनों राज्यों से अलग है इसीलिए निश्चित रूप से मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्यों के चुनाव, आम चुनावों की दिशा तय करने वाले तो साबित होंगे ही साथ भाजपा में भी अन्दरखाने संगठन व सत्ता मे बड़े बदलाव के संकेत देते नजर आ रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभाकर हैं।)

कविता

अपशिष्ट

कल तक जो विशिष्ट था
वह अब अपशिष्ट है
उसका न कोई परिशिष्ट है
वह छोड़ दिया गया है
लावारिस सा...?
घर के किसी कोने में या आसपास
खुली सड़क या फिर मैदान में
कल वह ! कचरा बन जाएगा
अपनों से जो छूट जाता है
वह गैरों से भी रूठ जाता है...?
लोग उसे अर्थहीन समझते हैं
कचरे की माफ़िक ?
वह कबाड़ बन जाएगा
कबाड़ी को बिक जाएगा
या फिर कूड़ा बन जाएगा
हाँ ! वहीं विशिष्ट
कल अपशिष्ट बन जाएगा
शायद ! यहीं नियति है ?

प्रभुनाथ शुक्ल

दबाव के बाद कनाडा का यू टर्न

सुनील कुमार महला

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाने के बाद अब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के तेवर नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि भारत ने कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। हाल ही में, कनाडा और भारत के बीच तल्ख होते रिश्तों के बीच अब बदलाव के संकेत देखने को मिल रहे हैं। मीडिया के हवाले से यह पता चलता है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अब यह बात कही है कि भारत व कनाडा के बीच रिश्ते काफी पुराने हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ रिश्तों का अपना महत्व है और कनाडा रिश्तों को बेहतर बनाएगा। इस मामले में कनाडा काफी गंभीर है। वैसे कनाडा पर हर तरफ से दबाब भी इन दिनों बढ़ रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि एलन मस्क ने हाल ही में कनाडा सरकार की दुनिया की सबसे दमनकारी ऑनलाइन सेंशरशिप योजना लेकर यह कहा है कि जस्टिस अभिव्यक्ति की आजादी को दबा रहे हैं। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि एलन मस्क स्पेसएक्स के संस्थापक और दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में से एक हैं। मस्क ने ट्रूडो सरकार की आलोचना की है। यहां यह बात महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय है कि कनाडा के एक आदेश के तहत सभी ऑनलाइन स्टीमिंग सेवाओं को आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराने का आदेश दिया है ताकि सरकार उस पर रेगुलेटरी कंट्रोल कर सके। वास्तव में कनाडा सरकार के इस आदेश की जमकर आलोचना की जा रही है। पत्रकार और लेखक ग्लेन ग्रीनवाल्ड ने सोशल मीडिया पर इस संबंध में एक पोस्ट साझा की है, जिसमें उन्होंने यह लिखा कि कनाडा सरकार दुनिया की सबसे दमनकारी ऑनलाइन सेंशरशिप योजना लेकर आई है। वास्तव में इसके तहत सभी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं, जिनमें पॉडकास्ट होता है, उन्हें आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराना होगा, जिससे सरकार ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं पर रेगुलेटरी नियंत्रण कर सके। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है कि कनाडा की ट्रूडो सरकार पर बोलने की आजादी के हनन का आरोप लगा हो। इससे पहले भी फरवरी वर्ष 2022 में भी ट्रूडो सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था और यह कनाडा के इतिहास में पहली घटना थी। दरअसल, कोरोना महामारी के दौरान कोरोना वैक्सीन को लेने की अनिवार्यता के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने विरोध प्रदर्शन किया था और उस समय इसे लेकर पूरे कनाडा में बहुत हंगामा हुआ था। तब हालात को नियंत्रित करने के लिए कनाडा सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में अपने अमेरिकी दौरे के दौरान यह बात कही थी कि कनाडा एक ऐसा देश बन गया है जहां भारत से संगठित अपराध, लोगों की तस्करी के साथ ही, अलगाववाद और हिंसा का मेल है।एस जयशंकर ने यह बात कही है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने जिस तरह निजी और सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाया वो ठीक नहीं था।

उन्होंने कहा कि कनाडा को खालिस्तानियों पर लगाम लगानी चाहिए। भारत के सख्त रूख के बाद कनाडा जस्टिन ट्रूडो ने यू-टर्न लिया और कहा कि वैश्विक स्तर पर आज भारत का महत्व बढ़ रहा है, ऐसे में जरूरी है कि कनाडा और उसके सहयोगी भारत के साथ मिलकर काम करें।

विचार

अमेरिकी सरकार को शटडाउन से राहत मिली

किशन भावनानी गोंदिया

वैश्विक स्तरपर कोविड महामारी के बाद से दुनियां के करीब-करीब सभी देश आर्थिक संकटों से उबर नहीं पाए हैं, ऊपर से 2024 में मंदी, महामंदी के कयास लगाए जा रहे हैं, परंतु अगर हम वर्तमान समय में दुनियां के अनेक देशों की आर्थिक स्थिति देखें तो वह सुद्दढ़, स्वस्थ्य नहीं है करीब करीब हर देश के ऊपर लाखों करोड़ रुपये ऋण है जिसमें भारत भी शामिल है। हालांकि भारत कोविड काल के बाद ही पांचवी अर्थव्यवस्था बना है और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अगर हम अर्थव्यवस्था के एंगल से दुनियां की महाशक्ति अमेरिका को देखें तो जिनको जानकारी नहीं होगी वह यह सुनकर दांतों तले उंगली दबा देंगे के इस महाशक्ति वाले देश मे1981 से लेकर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल के शटडाउन को मिलाकर देखा जाए तो 14 शटडाउन हो चुके हैं। अगर 1 अक्टूबर 2023 से अमेरिका में शटडाउन शुरू हो जाता तो ये 15 वां शटडाउन होता। ट्रंप की पिछली अमेरिकी सरकार का 35 दिन का शटडाउन अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन था। अभी एक अक्टूबर 2023 से 15 वां शटडाउन लग जाता परंतु शनिवार 30 सितंबर 2023 को देर रात्रि सीनेट में अमेरिकी स्टॉपगैप स्पेंडिंग बिल को पारित किया जिससे 17 नवंबर तक राहत प्रदान कर दी गई है वैसे तो कुछ दिनों से शटडॉउन की आशंका के चलते,अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज 33 खरब डॉलर से ज्यादा हो गया है अमेरिका में पहले से ही ऑटो कर्मचारियों की हड़ताल, महंगाई से जूझ रही अर्थव्यवस्था और गैस की बढ़ी कीमतों को लेकर मंदी की संभावना भी जताई जा रही है। सरकार बजट को लेकर दबाव में है, वहीं रेटिंग एजेंसी फिच ने अगस्त में ही अमेरिकी सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को एएए से घटाकर एए+ कर दिया था। इसके पीछे फिच ने अमेरिका पर बढ़ते कर्ज और पक्षपातपूर्ण अस्थिरता को वजह बताया था। इसके बाद फिच ने कांग्रेस को चेतावनी भी दी थी।

अर्थव्यवस्था की नजर से समझें तो अमेरिका सहित पूरी दुनियां के निवेशकों की भावनाओं पर इस शटडाउन का असर पड़ सकता था जिसके चलते दुनियां भर के शेयर बाजारों में गिरावट आ सकती थी। मन में सवाल उठना लाजमी है कि आखिर अमेरिका के इस शटडाउन का क्या मतलब है यूएस में हाल के दिनों में ऐसा क्या हुआ है जो सरकार को देश में शटडाउन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है अगर हम शटडाउन को समझने की करें तो, अमेरिकी में जब भी सरकार की फंडिंग को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच गतिरोध पैदा होता है तो वहां शटउाउन की स्थिति पैदा हो जाती है। शटडाउन होते ही वहां फेडरल सरकार के करीब 40 लाख कर्मचारियों का वेतन अधर में अटक जाता है।नासा जैसी एजेंसियों के शोध प्रभावित होते हैं। नेशनल पार्क बंद कर दिए जाते हैं। केवल इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर सरकार की फंडिंग से चलने वाली तमाम चीजें बंद कर दी जाती हैं। हालांकि प्राइवेट सेक्टर पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ता।चूंकि 1 अक्टूबर 2023 से होने वाले शट्डाउ

न से अमेरिकी प्रशासन को राहत मिल गई है, इसीलिए आज हममीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका में अनावश्यक आर्थिक संकट ट्ला, शासकीय कर्मचारी का वेतन रुकने, दुनियां के बाजारों पर संकट, दोनों से राहत मिली, दोनों सदनों का यह सराहनीय कदम है।

साथियों बात अगर हम अमेरिका में 1 अक्टूबर 2023 से होने वाले शटडाउन टलने की करें तो, अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा और उच्च सदन सीनेट नेसंघीय सरकार को 45 दिनों की फंडिंग के लिए पेश किए गए विधेयक को मंजूरी दी है। प्रतिनिधि सभा ने समझौता निधि उपाय बिल को 335-91 मतों के अंतर से पारित कियाबिल को सीनेट की मंजूरी मिलने के बाद नवंबर के मध्य तक शटडाउन का खतरा टल गया है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादकः रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

बलिदान ने बनाया कुंजा को : कुंजा बहादुरपुर

डॉ० घनश्याम बादल

बहादुरी विरासत में मिलती है और शेर का बच्चा शेर ही होता है ।1857 की क्रांति ने दुनिया को यह दिखा भी दिया और उसे पहले भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का नाम मिला । मगर बहुत कम लोग जानते होगें कि इससे भी बड़ी लड़ाई तो यहां 33 साल पहले ही लड़ ली और करीब - करीब जीत ली गई थी । आज तीन अक्टूबर को 1824 में लड़े गए कुंजा बहादुरपुर के संग्राम की जयंती पर देखते हैं इतिहास के आइने से झांकते हुए रांघड़ व गुर्जर वीरों की इस बलिदान व शौर्य गाथा को ।

जनपद हरिद्वार के भगवानपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित है एक छोटा सा गांव कुंजा। कुंजा ने 1824 में ऐसी बहादुर दिखाइए कि कुंजा बहादुरपुर कहा जाने लगा ।

3 अक्टूबर 1824 को तत्कालीन जिला सहारनपुर (वर्तमान में जनपद हरिद्वार के कुंजा क्षेत्र में स्वतन्त्रता-संग्राम की ज्वाला प्रचंड रूप से भड़की थी। आधुनिक हरिद्वार जनपद में रूडकी शहर के पूर्व में लंढौरा नाम का एक कस्बा है जो 1947 तक पंवार वंश के राजाओं की राजधानी था । तब लंढौरा रियासत में 804 गाँव थे और यहां के शासको का प्रभाव समूचे पश्चिम उत्तर प्रदेश में था। हरियाणा के करनाल क्षेत्र और गढ़वाल में भी इस वंश के शासकों का व्यापक प्रभाव था। 1803 में अंग्रेजो ने ग्वालियर के सिन्धियाओं को परास्त कर समस्त उत्तर प्रदेश को उनसे युद्व हजार्ने के रूप में प्राप्त किया था । तब पंवार वंश की लंढौरा, नागर वंश की बहसूमा , भाटी वंश की दादरी व जाटो की कुचेसर आादि ताकतवर रियासतें अंग्रेजो की आँखों में कांटे की तरह चुभने लगी थी।

1813 में लंढौरा के राजा रामदयाल सिंह की मृत्यु होने पर उत्तराधिकारी के प्रश्न पर राज परिवार में गहरे मतभेद उत्पन्न हो गये थे । इस स्थिति का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने रियासत को भिन्न दावेदारों में बांट दिया और एक बड़े हिस्से को अपने राज्य में मिला लिया। उस समय लंढौरा रियासत का ही एक ताल्लुका था, सहारनपुर-रूड़की मार्ग पर भगवानपुर के निकट स्थित कुंजा-बहादुरपुर । तब इस ताल्लुके मे 44 गाँव थे सन- 1819 में विजय सिंह यहां के ताल्लुकेदार बने।

कवरस्टोरी

डॉ. सुरेश कुमार

नोट से चीप, आलू से सोना और टेस्ट ट्यूब बेबी से सीता मैया को ढूँढ़ निकालने के बाद जो अपार सफलता मिली, उसके लिए मैं ह्रदय की गहराई से आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ। मुझे पता है कि आप भी मुझे बधाई देना चाहते है, किंतु आपके पास शब्दों की कमी पड़ रही है। इसीलिए मैंने अक्षरों की ओर द्दष्टिपात किया है। सुना है अक्षर जन्म और मृत्यु के खेल से परे होते हैं।

सोचा क्यों न मैं भी अक्षरों पर एक कवर स्टोरी बना दूँ। अब तो हर सच्चाई कवर होने लगी है। जीवन में किसी न किसी को कभी न कभी अवश्य कवर करना चाहिए, वरना हमें कवर करने वाला दुनिया में कोई नहीं बचेगा। बहुत दिनों के बाद मैंने अक्षरमाला को बड़े ध्यान से देखा। पिछली बार 2011 के आसपास देखा था। मात्र देखने का परिणाम यह हुआ कि देश का साक्षरता दर सत्तर पार हो गया। मैंने देखने में कभी कमी नहीं की। यही कारण है कि यहाँ जितने डॉक्टर और इंजीनियर बनते हैं उससे कहीं ज्यादा बाबा उभरकर आते हैं। हमारी साक्षरता पढ़े लिखों में बेवकूफों और बेवकूफों में पढ़े लिखो का संतुलन बनाए रखती है। हाँ तो मेरी बात अक्षरमाला पर हो रही थी। मानो मुझे ऐसा लगा कि चुनिंदा शहरों के साथ-साथ अक्षरमाला को भी स्मार्ट सिटी का दर्जा दे दिया गया है। अक्षरमाला के शहर में स्वर, व्यंजन, गला, मूर्धा, तालू, दाँत, होंठ जैसी अलग-अलग बस्तियाँ काफी हाई-फाई हो गयी हैं।

तालू के मोहल्ले में दाँत वाले मोहल्ले का कोई छोकरा घुस आए तो दाँतों की बत्तीसी तोड़ने के लिए तलुआ गैंग के अक्षर डटकर खड़े रहते हैं। मैंने देखा कि कुछ अक्षर बदन पर आभूषण की प्रदर्शिनी लगाए प्रशंसा पाने की होड़ में है। कुछ अक्षर भजन, कीर्तन करते हुए फलाँ-फलाँ का नामस्मरण कर रहे हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि जिनके लिए यह भजन, कीर्तन हो रहा है वे उन्हें असली अक्षर होने का दर्जा देंगे। कुछ अक्षर तो अपने अगल-बगल में इतर लगाए सभी को अपने गंध के मोह में फांसना चाहते हैं। पुरस्कार हथियाना चाहते हैं।

न्यूज फ्लैश

आरोपियों को गिरफ्तार ना करने पर पीड़ित परिवार ने पुलिस पर लगाए आरोप

पानीपत/कमाल हुसैन
थाना सनौली खुर्द पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप लगाए हैं गांव कुराड़ के मृतक राधेश्याम के परिजनों ने। मृतक के भतीजे राममेहर पुत्र महेंद्र ने सनौली खुर्द थाना पुलिस पर आरोप लगाया है कि वह संतोषजन जवाब तक नहीं देते कारवाही तो बहुत दूर की बात है। उल्टा उन्हें ही कहते हैं कि ढूंढ कर बता दो आरोपी कहां पर हैं वों गिरफ्तार कर लेंगे। उनके पास केवल एक यही केस नहीं है दूसरे मामले भी देखने होते हैं। पुलिस यह आरोप पीड़ित राममेहर ने आन लाइन पुलिस अधीक्षक को की शिकायत में लगाते हुए मांग की कि उनका यह मामला सीआईए को सौंपा जाए। शिकायत में राममेहर ने पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत को लिखा है कि उनके चाचा गांव कुराड़ वासी राधेश्याम को 6 सितंबर को गांव के कुछ लोगों ने लाठी डंडों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। जिन्हें गंभीर हालात के चलते रोहतक पीजीआई में दाखिल कराया गया था। जहां पर उपचार के दौरान घायल राधेश्याम की गत 28 सितंबर को मौत हो गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अभी तक दो ही आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि अन्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। जिससे उनके परिवार के मन में डर बना हुआ है। फरार आरोपी अपने बचाव के लिए कभी भी उन पर हमला कर सकते हैं। शिकायत में पुलिस अधीक्षक से मांग की गई है कि इस केस की जांच सीआईए को सौंपी जाए। वहीं इस बारे में जब थाना प्रभारी सुनील से बात की गई तो उनका कहना था कि इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स ने स्वच्छता अभियान चलाया

पानीपत/कमाल हुसैन
हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स पानीपत कार्यकारिणी द्वारा कुलदीप दहिया जिला शिक्षा अधिकारी कम जिला चेयरमैन के मार्गदर्शन में जिले में २ अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों, राजकीय विद्यालयों, सामुदायिक भवनों में साफ सफाई की गई। मुख्य समारोह राजकीय माध्यमिक विद्यालय जालपाड में आयोजित किया गया। इस दौरान जिला सचिव विनोद वत्स ने बताया कि हिंदुस्तान स्काउट्स गाइड्स कार्यकारिणी मुख्यालय के आदेश अनुसार हर गतिविधि को सामूहिक रूप से आयोजित करती है। नोडल अधिकारी दीपक कपूर के मार्गदर्शन में सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने स्टाफ सदस्यों के साथ विद्यालय प्रांगण की सफाई की।

भाजपा ने खिलाड़ियों के हित की नीति बनाईः किवाना

पानीपत/कमाल हुसैन
गोयला खेडा गांव में युवा स्पोर्टस कल्ब की और से वालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिला भाजपा महामंत्री कृष्ण छौक्कर किवाना ने बतौर मुख्यातिथि शिरक्त की और सरपंच प्रतिनिधि प्रवीन खेडा के साथ रिबन काटकर रविवार का प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। किवाना ने युवाओं को कहा कि वो शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ चढ कर भाग ले, क्योकि भाजपा की खेल नीति से आज प्रदेश का युवा खेलों के माध्यम से गांव व प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहा है। किवाना ने कहा कि कांग्रेस राज में खिलाड़ियों के साथ भेदभाव की नीति का प्रयोग किया जाता था, लेकिन भाजपा सरकार ने काग्रेस की भ्रष्ट खेल नीति को बंद कर खिलाड़ियों के हित की नीति बनाई, जिससें आज देश का हर युवाओं खेलों की तरफ बढ रहा है। और देश में सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाले खिलाड़ी भी हरियाणा प्रदेश के है जो कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की खेल नीति सें संभव हो पाया है। प्रवीन खेडा ने कहा कि युवा खेलों में आगे बढे अगर उन्हे कोई समस्या आती है तो उन्हे बताएं ताकि उकनी समस्या का समाधान किया जा सकें। इस मोके पर रोहताश,जयपाल,प्रमोद छौक्कर,कूष्ण,मा.विकास रावल,ओमकार रावल,बलबीर,अंकुश,जोनी रावल,नीटू रावल,मोहित,नीरज, सुरेन्द्र आदि अनेक मौजूद थें।

जन आशीर्वाद से हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी: दीपेंद्र

सांसद हुड्डा ने कांग्रेसी नेता जगदेव मलिक द्वारा आयोजित जनसभा को संबोधित किया

टीम एक्शन इंडिया/ पानीपत,कमाल हुसैन
राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस परिवर्तन की लड़ाई लड़ रही है। ड्डाजपा सरकार के पास दलबल की शक्ति है पर हमारे पास संघर्ष के लिए जनता के आशीर्वाद की शक्ति है। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्थाई रोजगार को खत्म कर कौशल और अग्निवीर जैसी स्कीम में तब्दील कर दिया। बेरोजगारी, मंहगाई, भ्रष्टाचार, नशा तस्करी में हरियाणा नंबर वन हो गया। इन्होंने कुछ काम नहीं किया,

सरकार का घमंड सातवें आसमान पर है। सांसद दीपेंद्र, रविवार की देर शाम कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी जगदेव मलिक के गांव उग्राखेडी स्थित फार्म हाउस पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहीं सांसद दीपेंद्र के सभा स्थल पर पहुंचने पर हजारों लोगों पुष्प वर्षा कर उनका जोरदार स्वागत किया। सांसद दीपेंद्र ने हरियाणा में अपराध का ग्राफ बढने पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि पानीपत में हुए तीन महिलाओं के साथ गैंगरेप और एक महिला की हत्या घिनौना पाप है। वहीं प्रदेश सरकार की लचर कानून व्यवस्था के चलते प्रदेश में अपराध बढ रहा है।

राज्य में अपराध के ग्राफ को शुन्य करने प्रदेश सरकार को सख्त रूख अपनाना चाहिए। विधायक बलबीर वाल्मीकि व विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने भाजपा सरकार की नीतियों पर जमकर सवाल उठाए। जबकि जनसड्डा के आयोजक व कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी जगदेव मलिक ने आरोप लगाया कि भाजपा-जजपा सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। हर वर्ग मौजूदा सरकार की नीतियों से परेशान है और प्रदेश में सत्ता का परिवर्तन चाहता है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अगली सरकार का कांग्रेस की बननी तय है। जनसभा में कांग्रेसी नेता सूबेदार प्रताप सिंह, डॉ कर्ण सिंह कादियान, सचिन कुंडू, जगदीप मलिक, अरूण मोनू मलिक, राहुल मलिक, गौरव मलिक, निखिल मलिक समेत बडी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

किसान का चालान काटने गये अधिकारियों को किसान नेताओं ने बैठाया

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)
अंबाला शहर के निकटवर्ती गांव फतेहगढ़ जटवाड में एक किसान का चलान काटने गए कुछ अधिकारियों को ग्रामीणों ने ही अपने पास ही बिठा लिया। इस दौरान किसान यूनियन के अनेक सदस्य भी वहां पहुंचे। किसान यूनियन के पदाधिकारियों का कहना था कि अधिकारी पराली के नाम पर उनका चलान काटने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के साथ नजायज किया जा रहा है।

वहीं अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिली थी कि फतेहगढ़ जटवाड में खेतों में फसल अवशेषों पर आग लगाई गई थी। इसलिए वह आज यहां पहुंचे हैं। अधिकारियों का कहना था कि चलान काटने के लिए यहां आए थे। किसानों का कहना था कि प्रशासन को खेतों में लगी हुई आग तो दिखाई दे रही है लेकिन किसान का नुकसान दिखाई नहीं देता। पिछले दिनों बाढ़ के कारण किसानों का भारी नुकसान हुआ। यहां तक की कई किसानों के टयूबवैल भी खराब हो गए लेकिन सरकार को यह नुकसान दिखाई नहीं दिया। सरकार की इस नीति से किसानों में गहरा रोष है। किसानों का कहना था कि आज यहां पर जिन अधिकारियों को बिठाया गया है उन्हें लंगर चाय दी जाएगी लेकिन जाने तभी दिया जाएगा जब कोई प्रशासनिक अधिकारी यहां आकर किसानों से बात करने के लिए आऐंगे। उन्होने कहा कि हम अधिकारियों का पूरा मान-सम्मान करते है लेकिन जनता के साथ भी इस तरह की नीति नहीं अपनानी चाहिए।

आशा वर्कर्स की हड़ताल 56वें दिन भी जारी

टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत
आशा वर्कर्स की हड़ताल का लगातार 56 वां दिन है। आज के धरने की अध्यक्षता उप प्रधान सविता मलिक ने की व संचालन सह सचिव छवि ने किया। आज धरने पर है फिरोजपुर बांगर व सीएचसी खरखोदा ,सोनीपत अर्बन से पीएचसी सुभाष नगर व महावीर कॉलोनी की आशा वर्कर्स का धरने पर नंबर रहा। आज 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस है ।आज धरने पर इन दोनों महापुरुषों के जन्मदिन के अवसर पर किसान सभा के वरिष्ठ नेता कामरेड श्रद्धांनंद सोलंकी ने अपने विचार व्यक्त किए व इन दोनों महापुरुषों के जीवन से जुड़े हुई कुछ चचाएं हम सबके बीच में रखी और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इन दोनों की क्या भूमिका रही उसके बारे में भी विस्तार से चर्चा की। साथ हीसीटू के कोषाध्यक्ष कॉमरेड आनंद शर्मा ने भी कुछ चचाएं विस्तार से की । अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शनकारी आशा वर्करों ने डीसी दफ्तर से छोटू राम चौक तक पैदल मार्च निकाला और नारे लगाते हुए सरकार की आलोचना की सरकार जल्द से जल्द आशा वर्कर्स की मांगों और समस्याओं का न्यायोचित समाधान करें नहीं तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अंबाला को स्वस्थ रखने में प्रत्येक व्यक्ति योगदान दे- जरनैल सिंह

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) अंबाला छावनी में महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंबाला सदर नगर परिषद में गांधी जयंती के अवसर पर सफाई कर्मचारियों, डोर टू डोर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी जरनैल सिंह इस अवसर पर मुख्या अतिथि थे। उन्होंने कहा कि अंबाला सदर क्षेत्र को स्वच्छ रखने में अपना योगदान आवश्य दे।

उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न किया जाए। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए हानिकारक है। स्वच्छ भारत मिशन की कॉडिनेशन रीतू शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर लॉयंस क्लब के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

छावनी में आयोजित हुई दो द्विसीय मनोवैज्ञानिक आई क्यू टेस्टिंग वर्कशॉप

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) पीडब्लू डी विश्राम गृह में आयोजित वर्कशॉप में प्रदेश भर से आए मनोवैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप में देश के सुपर्सिद्ध मनोविज्ञानिक ;प्रोद्ध डॉक्टर द्वारका प्रसाद द्वारा पढ़ाया व सिखाया गया जो के डिपार्टमेंट ऑफ क्लीनिकल साइकोलॉजी पीजीआई चंडीगढ़ के रिटायर प्रोफेसर तथा रिहैबिलिटेशन काउंसिल आफ इंडिया के क्लीनिकल साइकोलॉजी कमेटी के पूर्व चेयरमैन है।अंबाला जिला के मानसिक स्वास्थ्य प्रोजेक्ट के नोडल अधिकारी डॉ राजेंद्र राय विशेष अतिथि रहे। मशहूर साइकैटरिस्ट डॉ शोभित ने

वर्कशॉप

8 वर्कशॉप में देश के सुपर्सिद्ध मनोविज्ञानिक प्रो. डॉक्टर द्वारका प्रसाद द्वारा पढ़ाया गया

भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। इस वर्कशॉप का आयोजन अंबाला के मनोविज्ञानी व माइंड थेरापयूटिक्स के डायरेक्टर डॉ कुलदीप सिंह व सहयोगी डॉ दीपशिखाए विनीता ने करवाया। उन्होंने बताया कि आई क्यू टेस्ट बहुत से फायदे है। जैसे कि आपकी मानसिक क्षमता का मापन और स्तर की जांचरू आई क्यू टेस्ट आपके मेंटल कैपेसिटी तथा क्षमता को मापता है जिससे आप अपने स्तर की जांच कर सकते हैं और बेहतर तरीके से उन्हें विकसित कर सकते हैं। जॉब इंटरव्यू तथा कैरियर विकल्पों में सहायतारू कई नौकरियों मेंए नौकरशाही परीक्षा में या अन्य चयन प्रक्रियाओं में कंपनी या सरकार आई क्यू टेस्ट से परख करती हैं। आपके आई क्यू टेस्ट स्कोर के आधार पर वे निर्णय लेते हैं। स्मार्ट और सफल व्यक्ति होने में मददरू आपकी ताकतए आत्मविश्वासए संवेदनशीलता और ज्ञान आपके आई क्यू टेस्ट स्कोर को प्रभावित करते हैं।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ शुभारम्भ

श्रीमद् भागवत कथा विश्व में सभी कथाओं में ये श्रेष्ठ मानी गई है, जिस स्थान पर इस कथा का आयोजन होता है, वो तीर्थ स्थल कहलाता है: मच्छरौली

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत, कमाल हुसैन
श्री श्याम रस प्रचार मंडल द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का कलश यात्रा के साथ शुभारम्भ हुआ। कलश यात्रा में शहर से हजारों की सख्या में श्रद्वालूओं ने भाग लिया। इस दौरान मुख्यातिथि के तौर पर पूर्व विधायक रविन्द्र मच्छरौली ने मुख्य रूप से शिरक्त की। इस दौरान कथा का शुभारम्भ पूर्व विधायक रविन्द्र मच्छरौली ने भागवत कथा को अपने सिर पर उठकर कलश यात्रा के साथ परिक्रमा करते हुए किया। पूर्व विधायक रविन्द्र मच्छरौली ने मंडल सदस्यों को सहयोग स्वरूप 1 लाख 51 हजार रुपए कथा में अर्पित किए। मच्छरौली ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा विश्व में सभी कथाओं में ये श्रेष्ठ मानी गई है। जिस स्थान पर इस कथा का आयोजन होता है, वो तीर्थ स्थल कहलाता है। इसमें भाग लेने का सौभाग्य उसे प्रभु के आशार्िवाद से

भागवत कथा

8 इस दौरान मुख्यातिथि के तौर पर पूर्व विधायक रविन्द्र मच्छरौली ने मुख्य रूप से शिरक्त की

मिला है। कथा वाचक किशोरी चित्रा जमदगिन ने कहा कि अगर कोई गलती से भी श्रीमद् भागवत कथा श्रवण कर लेता है, तो भी वो कई पापों से मुक्ति पा लेता है। इसलिए सात दिन तक चलने वाली इस पवित्र कथा को श्रवण करके अपने जीवन को सुधारने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

अगर कोई सात तक किसी व्यस्तता के कारण नहीं सुन सकता है, तो वह दो तीन या चार दिन ही इसे सुनने के लिए अपना समय अवश्य निकाले तब भी वो इसका फल प्राप्त करता है, क्योंकि ये कथा भगवान श्री कृष्ण के मुख की वाणी है, जिसमें उनके अवतार से लेकर कंस वध का प्रसंग का उल्लेख होने के साथ-साथ इसकी व्यक्ति के जीवन में महत्ता के बारे में भी बताया गया है। इससे पूर्व मंडल सदस्यों ने पूर्व विधायक रविन्द्र मच्छरौली को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर श्री श्याम रस प्रचार मंडल समालखा के सदस्य मनोज शर्मा,प्रवीन,विकास जैन,नरेश मितल,पवन अग्रवाल आदि अनेक मौजूद थें।

अमेटी यूनिवर्सिटी में जौरासी के मनोज सोतिया हुए सम्मानित

शिक्षा रत्न समारोह

8 गांव जौरासी में भी खुशी का माहौल है। गांव के गणमान्य लोगों ने कहा कि मनोज ने गांव के साथ-साथ क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत कमाल हुसैन
पृथ्वी अभ्युदय एजूकेटर्स एसोसिएशन इंडिया का राष्ट्रीय शिक्षा रत्न समारोह में देश भर के प्रमुख शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यह समारोह पंजाब के मोहाली स्थित अमेटी यूनिवर्सिटी में आयोजित किया गया था। जिसमें गांव लक्ष्य इंटरनेशनल स्कूल के कोऑर्डिनेटर व जौरासी गांव निवासी मनोज सोतिया को उनकी शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सेवाओं के लिए उनको सम्मानित किया गया। वहीं संस्था के चेयरमैन डॉ.हर्षवर्धन ने बताया कि पृथ्वी अभ्युदय एसोसिएशन इंडिया से देशभर के शिक्षाविद् जुड़े हैं, जो शिक्षा में नवाचार संबंधी संगोष्ठी करने के साथ-साथ शिक्षक समाज के मुद्दों को भी उठाते हैं। उन्होंने बताया कि पृथ्वी अभ्युदय एसोसिएशन इंडिया एक महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर बनी है जो है शिक्षकों को आर्थिक रूप से सबल बनाना और शिक्षा से संबंधी आवश्यक बदलाव एवं नवाचार का क्रियान्वयन करना। वहीं मनोज कुमार सोतिया को शिक्षा रत्न से सम्मानित किए जाने से लक्ष्य स्कूल के संचालकों व स्टाफ में खुशी की लहर है। वही मनोज सोतिया के गांव जौरासी में भी खुशी का माहौल है। गांव के गणमान्य लोगों ने कहा कि मनोज ने गांव के साथ-साथ क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है।

हमें महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलना चाहिए,तभी उनके सपने को पूरा कर सकते है: बी.डी.पी.ओ.

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत/कमाल हुसैन
स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा गांधी जयंती वह लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष में राजकीय उच्च विद्यालय बापौली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी शक्ति सिंह ने बतौर मुख्यातिथि व बापौली सरपंच डिम्पल रावल के पति एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवकुमार रावल ने बतौर अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में शिरक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिहं ने की। संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जबकि स्कूल के छात्र-छात्राओं ने नाटक व संगीत के माध्यम से स्वच्छता अभियान में देशभक्ति के गीत सुनाए।

रेसलिंग प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/राई
राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर अकबरपुर बारोटा गांव में अल्पासोर कंम्पनी के द्वारा रेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि कांग्रेस के युवा नेता एवं एडवोकेट संजय आंतिल ने शिरकत की । और मुख्य अतिथि शिरकत की । कार्यक्रम में पहुंचने पर एडवोकेट संजय आंतिल व कंम्पनी के डायरेक्टर सन्दीप दहिया , दीपक दहिया का युवाओं व कंपनी के कर्मचारियों ने स्वागत किया ।

प्रतियोगिता में 100 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया। आंतिल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों में छुपी खेल प्रतिभा निखरकर आगे आए । वे हमेशा से क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सक्रिय रहते हैं और समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम कराते रहते है। ताकि आज के युवा पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी क्षेत्र का नाम रोशन करते हुए अपना भविष्य उज्जवल कर सकें। कांग्रेस नेता संजय आंतिल ने खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर उनका हौंसला बढ़ाया और खेल स्पर्धा को भाई-चारे से आगे बढ़ाते रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में संजय चौहाना प्रधान अकबरपुर बारोटा), देवराज (पूर्व प्रधान अकबरपुर बारोटा) बलदेव, (पूर्व प्रधान काला चौहान (पंच), नीरज चौहान (पंच), मुकेश, संजय चौहान, सतपाल प्रधान (भैरा बांकीपुर, सुरेन्द्र दहिया, रोहताश दहिया, जितेन्द्र दहिया, रवि चौहान (पंच) आदि सभी ग्रामीण मौजूद थे।

अवैध हथियारों सहित दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/दिनेश नौताना महेन्द्रगढ़
सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम ने अवैध हथियार रखने के शौकीन के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया है। शहर महेंद्रगढ़ के क्षेत्र से सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम ने दो आरोपितों से अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपितों 3 देसी पिस्टल व 7 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ थाना शहर महेंद्रगढ़ में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

इस मामले में पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।
पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम गश्त के दौरान सतनाली चौक महेन्द्रगढ पर मौजुद थी। उसी समय टीम को सूचना मिली कि आशीष उर्फ छोटिया वासी खातौद व कुलदीप उर्फ टाईगर वासी कान्हावास थाना

काबू किया

8 आशीष की तलाशी लेने पर उसके पास से दो देशी पिस्टल वा 5 जिंदा कारतूस मिले

मांढन जिला अलवर (राजस्थान) अपने पास अवैध हथियार रखते हैं। कुलदीप व आशीष अब राज रैजिडेन्सी ओयो होटल माइचान मोहल्ला महेन्द्रगढ में अवैध हथियार सहित बैठे हैं। अगर तुरंत रैड की जाए तो आरोपित अवैध हथियार सहित काबू आ सकते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने बतलाए हुए स्थान पर रैड की, कमरे में दो लडके बैठे मिले जो पुलिस को देखर इधरझ्रउधर भागने की कोशिश करने लगे। टीम ने दोनों लड़कों को काबू कर पता पुछा तो एक ने अपना नाम आशीष उर्फ छोटिया व दूसरे ने अपनी नाम कुलदीप उर्फ टाईगर उपरोक्त बतलाया। आशीष की तलाशी लेने पर उसके पास से दो देशी पिस्टल वा 5 जिंदा कारतूस मिले और कुलदीप की तलाशी लेने पर एक देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस मिले। आरोपितों के खिलाफ थाना शहर महेंद्रगढ़ में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

शूटिंग में गोल्ड मेडल जीत भारत पहुंचा सरबजोत सिंह, अंबाला में हुआ जोरदार स्वागत

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)
शूटिंग में गोल्ड मेडल जीत भारत लौटे अंबाला के बेटे सरबजोत सिंह का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। सरबजोत के परिजन रविवार रात को दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच गए थे। सरबजोत के पिता जीतेंद्र सिंह, कोच अभिषेक राणा समेत अन्य परिजन व रिश्तेदार एयरपोर्ट पहुंचे। यहां ढोल की थाप के साथ फूल मालाएं पहना और लड्डू खिला सरबजोत का भव्य स्वागत किया।सरबजोत सिंह अंबाला के गांव धीन निवासी किसान जीतेंद्र सिंह का बेटा है।

सरबजोत ने चीन के हांगझोऊ में हुए 19 वें एशियन गेम्स में भारत को पहला गोल्ड दिलाया। सरबजोत ने यह मेडल 10 मीटर एयर पिस्टल में हासिल किया। सरबजोत की'। इस उपलब्धि के बाद जश्न का माहौल है।कोच अभिषेक राणा ने बताया कि सरबजोत 2016 से उनके पास कोचिंग ले रहा है। किसान का बेटा होने के बावजूद शूटिंग के खेल में इस कद्र खुद को झोंक दिया है कि अभी तक करीब 21 मेडल हासिल कर चुका है। इस टीम में सरबजोत सिंह, अर्जुन सिंह और शिवा नरवाल की तिकड़ी ने भारत को पहला गोल्ड दिलाया। उन्होंने 10 मीटर पिस्टल मेंस इवेंट में 1734 स्कोर बनाया है।

कोच अभिषेक राणा ने बताया कि सरबजोत लगभग 60 से 70 किलोमीटर का सफर तय करता था, लेकिन उन्होंने उसे कभी बाइक चलाने नहीं दिया, तभी उसने यह मुकाम हासिल किया है।

कोच ने कहा कि सरबजोत ने भारत को शूटिंग मे गोल्ड दिलाया है। अब सरबजोत को ओलिंपिक के लिए तैयार करेंगे।

जब हो चेहरे पर स्टाइलिश

मैटेलिक मेकअप – आजकल फैशन में मैटेलिक मेकअप है, इसमें पूरे चेहरे पर मैटेलिक गोल्ड, सिल्वर और कॉपर रंगों पर प्रयोग किया जाता है। मेकअप करते समय सबसे पहले चेहरे पर वाटरप्रूफ बेस लगाया जाता है ताकि चेहरे पर मेकअप लंबे समय तक बरकरार रहे। फिर आपके रंग को ध्यान में रख कर मैटेलिक मेकअप लगाया जाता है। इसमें ब्राइट कलर का ही अधिक प्रयोग किया जाता है। मैटेलिक मेकअप लेट नाइट पार्टियों में ज्यादा फबता है क्योंकि इसमें चेहरा एकदम शाइनी लुक देता है।

सिलिकॉन मेकअप – सिलिकॉन अभी नया मेकअप लुक है, जिसमें चेहरे पर सिलिकॉन प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप उन युवतियों के लिए अच्छा है, जिनकी ड्राई स्किन है, इसमें चेहरे पर लिक्विड स्प्रे किया जाता है। फिर चेहरे पर माइक्रो फाउंडेशन लगाया जाता है। अधिकतर भारतीय युवतियों की स्किन तैलीय है, इसलिए सिलिकॉन मेकअप बेहतर ऑप्शन है, जिसमें आप अपने चेहरे को नया लुक दे सकती हैं। इस मेकअप में चेहरे पर सबसे पहले मैट मेकअप किया जाता है, फिर उसके ऊपर शाइनिंग लुक दिया जाता है। यह मेकअप वाटरप्रूफ है, इसलिए आराम से 15-17 घंटे तक आपकी खूबसूरती बरकरार रहती है।

ईवनिंग मेकअप- ईवनिंग पार्टी हो और आप का मेकअप हो नेचुरल तो रंग कुछ फीका लगेगा। ऐसी पार्टी में मेकअप कैजुअल पार्टी से डिफरेंट होना चाहिए। यानी मेकअप ऐसा करें जो आपको ग्लैमरस लुक दे। ईवनिंग पार्टी के लिए मेकअप में ब्राइट व ग्लासी शेड्स वाले प्रसाधनों का इस्तेमाल करें। जब भी मेकअप करें तो पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें और बेस के रूप में चेहरे की कंसीलिंग करें। कंसीलर त्वचा की रंगत से मेलखाता होना चाहिए। उसके बाद आई मेकअप करें। हाई लाइटनर के तौर पर गोल्ड व सिल्वर शैडो को मिक्स कर आंखों की ऊपरी तरफ ब्लेंड करें। ब्लैक आईशैडो का बेस आईलिड पर लगाएं। उसके बाद ड्रेस से मैचिंग आईशैडो जैसे ब्राउन व पिंक क्रीज व ब्रो पर लगाएं। शैडो का टच निचली आईलिड पर भी दें। अगर पलकें घनी नहीं हैं, तो फाल्स आईलैशेज लगाएं और उस पर मसकारा लगाएं। चिकबोन पर लाइट पिंक ब्लशर का टच दें। होंठों पर पहले लिपब्रश की मदद से डार्क आउटलाइनिंग बनाएं फिर क्रीमी लिपस्टिक लगाएं और चमक के लिए होंठों के मध्य में लिपग्लास का टच दें। हो गया आपका ईवनिग मेकअप तैयार। पार्टी से लौटने के बाद मेकअप रिमूव करना न भूलें।

डिस्को मेकअप – डिस्कोथेक में जाने के लिए आपका मेकअप होना चाहिए लांग स्टे और परफेक्ट क्योंकि वहां लाइटिंग बहुत ज्यादा होती है। इसलिए मेकअप जितना भड़कीला व चमकीला होगा, अदाएं भी उतनी ही मोहक लगेंगी। ऐसी वेस्टर्न ड्रेसेज सलेक्ट करें जोकि सेक्सी लुक दें। जिनके कलर्स डार्क हों, सीक्वेंस व बीड्स वर्क किया गया हो, साथ ही स्टोल या फर ओढ़ा जा सके।

शिमरी, ग्लासी मेकअप आजकल ट्रेंड में है इसलिए आंखों और होंठों के मेकअप को खासकर हाईलाइट करें। हेयरस्टाइल चेंज लाने के लिए विग, कलर स्ट्रिक्स या हेयर एक्सटेंशन करा सकती हैं। शोल्डर, आर्मलेट व बैक पर बने बॉडी टैटू देंगे यूनीक लुक।

रैम्प मेकअप- आजकल फैशन में रैम्प मेकअप है, इसमें मेकअप को इस तरह किया जाता है, जैसा कि रैम्प पर चलने वाली मॉडल करती हैं। रैम्प मेकअप फैंटेसी मेकअप का दूसरा नाम है। अगर आप ने क्रिएटिव ड्रेस पहनी है, तो आप वाइल्ड लुक जैसा मेकअप कर सकती हैं। वह भी नोट होना चाहिए। फूहड़ता से दिया गया कोई भी लुक भद्दा ही लगेगा। मौसम को ध्यान रखते हुए समर में पेस्टल या सॉफ्ट लुक ही होना चाहिए। विंटर कलेक्शन में डार्क मेकअप और हॉट कलर ही इस्तेमाल करें। अगर कपड़े पारंपरिक हैं, तो लुक भी क्लासिक व स्टाइलिश होना चाहिए। अगर रात की पार्टी में जा रही हैं, तो ब्राइट, ग्लौसी व शाइनी मेकअप कर सकती हैं।

वैसे आजकल ग्लौसी व शाइनी मेकअप फैशन में है। हैवी आईमेकअप के बाद लिप कलर हल्का होना चाहिए। यदि दोनों पर गहरा रंग लगाना हो तो आंखों को डार्क आईशैडो से डिफाइन करके लाइट शेड से हाईलाइट करें और मैचिंग की लिपस्टिक लगा कर ग्लौस लगाएं। ऐसे में ब्लश भी थोड़ा डार्क ही होना चाहिए ताकि फीचर अलग-अलग डिफाइन हो सकें। शैडो लगाने के बाद काजल पेंसिल से पलकों पर लाइनर लगाएं और कॉटन बड से हल्का सा मिक्स करें। इससे आंखें बड़ी व सुंदर लगती हैं।

सिर्फ मां क्यों बने बेस्ट फ्रेंड

पैरेंटिंग कठिन काम है, पर सच्चाई भी है कि टीनएज मुश्किल दौर है। इस उम्र में बच्चों को स्पेशल केयर की जरूरत होती है। वैसे, कहा जाता है कि पैरेंटिंग लंबी प्रक्रिया है। इसके पहले चरण में पैरेंट्स को सबसे ज्यादा जिम्मेदार बनना पड़ता है। दूसरे चरण में चुनौती और भी बढ़ जाती है, क्योंकि आपको अपने टीनएज बच्चे को स्वतंत्रता देते हुए नजर रखनी होती है। यदि आप ऐसा करने में सफल हो जाती हैं, तो आपके और बच्चे के बीच कभी दूरी नहीं पैदा होगी। आप कब उसकी मां से बेस्ट फ्रेंड बन जाएंगी, आपको भी पता नहीं चलेगा।

- मॉडर्न बनना और इसके लिए अपने बच्चे को कुछ हद तक स्वतंत्रता देना तो ठीक है, पर उसे खुली छूट देना अच्छा नहीं है। यदि बच्चा दी गई छूट का गलत फायदा नहीं उठा रहा है, तो उसे जरूर छूट दें। नियम-कायदे में थोड़ा-बहुत बदलाव करती रहें।
- इस उम्र में बच्चे और पैरेंट्स के बीच कम्यूनिकेशन गैप आ जाता है, इसलिए आप जितना बोलती हैं, उससे दोगुना बच्चे की बात भी सुनें। यदि आप उसकी बातें सुनना बंद कर देंगी, तो वह पूरी तरह से आपसे कट जाएगा।
- स्कूल के दिनों को याद करें। ऐसा करने से धैर्य-क्षमता बढ़ेगी। जब आप अपने बच्चे की स्थिति को बेहतर तरीके से समझ पाएंगी तो उसे बेहतर तरीके से डील कर सकेंगी।
- अपने बच्चे की पढ़ाई में सहयोग करें। अमूमन, जब बच्चे छोटे होते हैं, तो पैरेंट्स उनकी पढ़ाई-लिखाई में अपनी सक्रियता दिखाते हैं, पर बाद में ऐसी स्थिति नहीं रहती। अगर आप अपने बच्चे की पढ़ाई में अपना सहयोग जारी रखेंगे, तो इससे आपको पता रहेगा कि उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है।
- टीचर से मिलते रहें। टीचर से बच्चे को आपको सही गाइडेंस तो मिलेगी ही, साथ ही यदि बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है, तो यह भी पता चल जाएगा।
- बच्चों को जन्म से ही सभी चीजों के बारे में मालूम नहीं होता, पैरेंट्स ही उन्हें इन चीजों के बारे में सिखाते हैं। टाइम मैनेज करना और इस तरह की अन्य लाइफ स्किल उन्हें सिखाना आपकी जिम्मेदारी है। आपकी मदद से वह जिंदगी की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर पाएगा।
- अपने लाडले को दोस्ती करने के लिए प्रेरित करें। अच्छे दोस्त किसी टीनएजर के लिए बहुत जरूरी होते हैं, इसलिए अपने बच्चे से उसके दोस्तों को घर आमंत्रित करने के लिए कहें। ऐसा करने से आप अपने बच्चे के दोस्तों और कैसे लोगों के साथ समय बिताता है, जान पाएंगी।
- अपने बच्चे को यह महसूस करवाएं कि वह स्वभाव से स्पेशल है। ट्रेंडी कपड़े पहनने या स्टाइल को फॉलो करने से वह खास नहीं बन जाता। सभी विषयों पर उससे खुलकर बातें करें। ऐसा करने से वह किसी विषय पर आपसे बात करने में हिचकेगा नहीं और आप दोनों के रिश्ते के बीच पारदर्शिता कायम रहेगी।

फैशन में फिर आया कफ्तान

यह तो आप ने सुना ही होगा कि फैशन दोबारा लौट कर आता है, फिर चाहे वह ज्वेलरी हो या कपड़े। 60 के दशक में हिप्पियों का खास परिधान 'कफ्तान' एक बार फिर लौट आया है। कफ्तान जहां पहले एथनिक ड्रेस के रूप में पहचाना जाता था, वहीं आज युवतियां इसे मॉडर्न ड्रेस के रूप में पसंद कर रही है। पहले यह पांव तक पहना जाता था पर अब इसका साइज छोटा हो गया है। कफ्तान बिलकुल ढीली-ढाली ड्रेस है, जो देखने में बहुत कुछ कुर्ती से मिलती जुलती है। बाजार में यह दो वेरायटी में मिल रहे हैं, जिसमें शॉर्ट और लॉन्ग कफ्तान है। शॉर्ट कफ्तान घुटने तक होता है, जिसे जींस, कैपरी या स्कर्ट के साथ पहना जा सकता है। वहीं लॉन्ग कफ्तान एड़ियों तक होता है, जिसे चूड़ीदार पायजामे के साथ पहना जाता है। फैशन डिजाइनर कविता भरतिया कहती हैं कि आज कल युवतियां नए फैशन को बहुत अहमियत दे रही है, इसलिए बाजार में जो भी नया ट्रेंड आता है। वह उसे अपनाने से परहेज नहीं करती है। कफ्तान भी बहुत अलग तरह की ड्रेस है, जो युवतियों को भीड़ से अलग बनाता है क्योंकि यह फैशन एकदम नया है इसलिए अभी मेरे पास इतने ज्यादा कस्टमर तो नहीं आ रहे हैं, जो कफ्तान की डिमांड कर रहे हैं। मगर कुछ कॉलेज जाने वाली लड़कियों ने जरूर डिमांड की है।

अगर आप पार्टी वियर कफ्तान खरीदना या डिजाइन करवा रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह थोड़ा शाइनी लुक में हो। इसके लिए आप सिल्वर या गोल्ड फैब्रिक का प्रयोग कर सकती हैं। अगर प्लेन फैब्रिक ले रहे हैं तो उस हैवी बीडेड वर्क या गोल्ड थ्रेड से वर्क करवा सकती हैं। अगर घर में पहनने के लिए कफ्तान ले रहे हैं तो मौसम को देखते हुए कॉटन और जॉर्जेट फैब्रिक का ही कफ्तान खरीदें। अगर रंगों की बात की जाये तो डिजाइनर हल्के रंगों का ही ज्यादा प्रयोग कर रहे हैं, जिसमें गुलाबी, पीच, सफेद और आसमानी रंग खास है। अगर कफ्तान पर किए गए, वर्क की बात की जाए तो इसमें आपको ढेरो वेरायटी देखी जा सकती है, जिसमें प्रिंटेड, एम्ब्रॉयडरी वर्क, स्टीकर वर्क फैशन में है। प्रिंटेड वर्क में वेजिटेबल पैटर्न वर्क कर सकते हैं जिसमें सब्जियों से छपाई की जाती है। एम्ब्रॉयडरी वर्क में लखनवी और क्रोशिया वर्क करवा सकते हैं, मगर ध्यान रखें कि पार्टी वियर कफ्तान बनाते समय रेशमी धागों का इस्तेमाल करें।

भेलपूरी

सामग्री : 200 ग्राम कुरमुरा (बाजार में रेडीमेड उपलब्ध), आधा कप बारीक सेव, 1 प्याज बारीक कटा हुआ, 1 टेबलस्पून हरी धनिया बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टेबलस्पून हरी चटनी, 1 टेबलस्पून इमली-खजूर की चटनी, 2 टेबलस्पून उबले हुए आलू और नमक स्वादानुसार।

विधि : आलू को मसल लें। कुरमुरे में बारीक कटे हुए प्याज, हरी मिर्च, हरी चटनी, इमली-खजूर की मीठी चटनी और आलू डालकर अच्छी तरह से मिला लें, ऊपर से सेव और हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इंतजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
''आगे-आगे गोरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। बेहजनों की सहानुभूतियां होंगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, क्षुधा, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2605

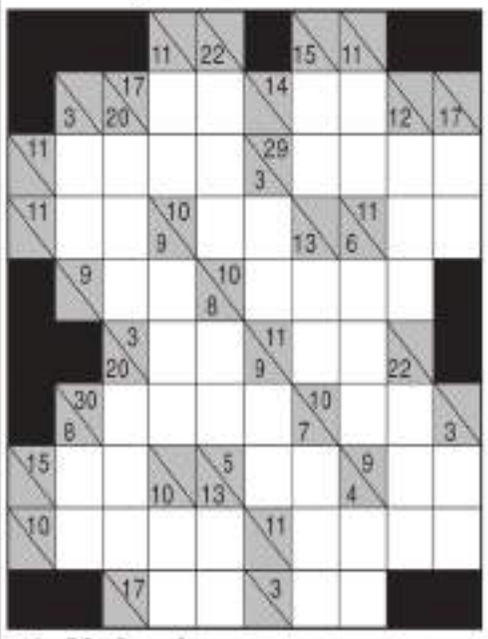

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

1 2 3 4 5
7 8 9

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो - 2604 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुंह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

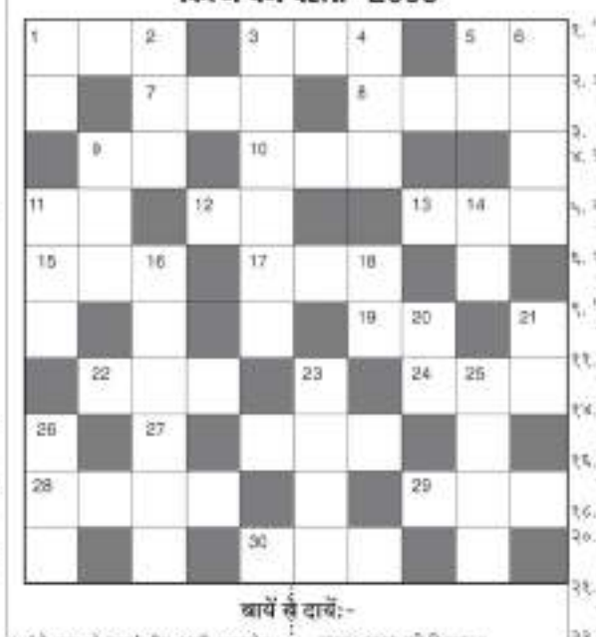

▯ ▯ ▯

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

▯ ▯ ▯

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुंड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 2605

बायें से दायें:-

१. 'ये वादा रहा वादा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-3
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-3
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-3
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'हमजी की निराली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-3
११. 'चंदा पे बिंदास है' गीत वाली अभिलाष, स्वीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
१३. 'दिल क्या पुकारा' गीत वाली शम्मी कपूर, साधना की फिल्म-3
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-3
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-3
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
२५. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही शाम वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. शिवे, विपाशा की 'उस दिन मुझसे कोई' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा को 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, नीतू, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. बॉबी, प्रीति चंद्रशेखर की 'हुये हुये ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
७. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुम्हा तुम्हा तक तक तुम्हा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहों' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू चली पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ने कहीं ये' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. आदित्य स्वामी, प्रद्युम्न, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2604

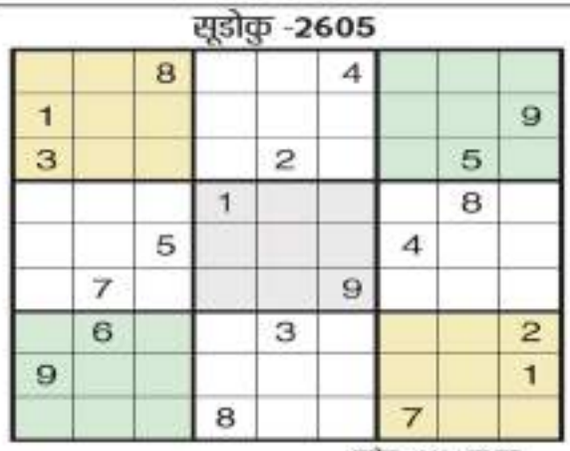

सूडोकु -2605

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2604 का हल

शब्द पहेली - 2605

बाएं से दाएं
1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ-3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल (उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-3
39.सारांश-2
41.झुका हुआ-2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.बुढ़ापा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी-5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईर्ष्या-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.हीकिंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली - 2604 का हल

अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में भारत को दिलाया सोना

हांगझोऊ। चीन के हांगझोऊ में खेले जा रहे एशियाई खेलों में भारत की झोली में एक और पदक आया है। एथलीट अविनाश साबले ने पुरुषों के 3000 मीटर स्टीपलचेज में 8:19.50 मिनट के एशियन गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता है। इसी के साथ यह भारत का 12वां स्वर्ण पदक है। भारतीय स्टार महिला मुक्केबाज खिलाड़ी निखत जरीन को एशियाई खेलों में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा है। उन्हें मुक्केबाजी में महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग इवेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड की खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। निखत इस मैच में 2-3 के अंतर से हार गईं और उन्हें कांस्य पदक मिला।

सुतीर्था और अहिका ने टेबल टेनिस युगल में कांस्य पदक जीता

हांगझोऊ। सुतीर्था मुखर्जी और अहिका मुखर्जी को एशियाई खेलों में सोमवार को टेबल टेनिस महिला युगल सेमीफाइनल में कोरिया से कड़े मुकाबले में 3.4 से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सुतीर्था और अहिका ने 2.3 से पिछड़ने के बाद वापसी की लेकिन कोरिया की सुगियोंग पाक और सुयोंग चा ने निर्णायक गेम में बाजी मार ली। उन्होंने एक घंटे तक चला मुकाबला 7.11, 11.8, 7.11, 11.8, 11.9, 5.11, 11.2 से जीता। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में विश्व चैम्पियन चीन की चेन मेंग और यिडि वांग को हराया था। इसके साथ ही टेबल टेनिस में अब भारत की चुनौती समाप्त हो गई। इस बार भारत ने टेबल टेनिस में यही एक पदक जीता है।

अश्विन जानते हैं कि चेन्नई की परिस्थितियां कैसी हैं, वह भारत की एकादश में शामिल होंगे : पीयूष चावला

बेंगलुरु। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए भारतीय टीम फाइनल हो गई है। विश्व क्रिकेट की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों से भिड़ने वाले 15 खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित खिताब पर अपना कब्जा जमाना चाहेंगे और अपने आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना चाहेंगे। टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम में एक बड़ा बदलाव रविचंद्रन अश्विन के रूप में आया जिसमें ऑलराउंडर अक्षर पटेल के चोट के बाद टीम में जगह बनाई। इसी पर बात करते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहा कि अश्विन अक्षर के समान विकल्प हैं और उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता की सराहना की। चावला ने कहा, 'हम सभी जानते थे कि एक बार जब अक्षर पटेल चोटिल हो गए और विश्व कप के लिए फिट नहीं थे तो रवि अश्विन अपने अनुभव और अतीत में उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की है, उसके कारण सीधे पहली पसंद थे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। यह कुछ इस तरह है जैसा कि वह बल्लेबाजी कर सकता है, और एक बहुत ही अच्छा बल्लेबाज है।' इसके अलावा चावला ने अश्विन की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह एक 'स्ट्रीट स्मार्ट क्रिकेटर' हैं। उन्होंने कहा, 'अश्विन एक स्ट्रीट-स्मार्ट क्रिकेटर हैं। वह बहुत महान खिलाड़ी हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह सफेद गेंद या लाल गेंद क्रिकेट में गेंदबाजी कर रहे हैं, वह हमेशा खेल के बारे में सोचते रहते हैं। वह हमेशा खेल से जुड़े रहते हैं। हालांकि उन्होंने पिछले दो वर्षों में वनडे में बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेला है, वह वास्तव में एक अच्छे गेंदबाज हैं और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

एशियन गेम्स : तजिंदरपाल सिंह तूर ने गोला फेंक में जीता स्वर्ण

हांगझोऊ। चीन के हांगझोऊ में खेले जा रहे एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। एथलेटिक्स में रविवार को भारत के पास एक और स्वर्ण पदक आया है। तजिंदरपाल सिंह तूर ने शॉटपुट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया है। हांगझोऊ के एशियाई खेलों में भारत का यह 13वां स्वर्ण पदक है। तजिंदरपाल ने पुरुषों के शॉटपुट फाइनल में 20.36 का थ्रो करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तजिंदरपाल लगातार दूसरे एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने में सफल हुए हैं। तजिंदर ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता था। तजिंदरपाल के पहले दो प्रयास फाउल रहे। फिर अपने तीसरे प्रयास में 19.21 मीटर थ्रो के साथ अगले दौर के लिए क्वालीफाई किया। इसके बाद तजिंदरपाल ने चौथा थ्रो 20.06 मीटर किया। पांचवां थ्रो फिर फाउल हो गया। अंतिम प्रयास में उन्होंने अपनी पूरी ताकत झोंक दी और 20.36 मीटर थ्रो कर मेंस शॉटपुट फाइनल में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले एथलेटिक्स में अविनाश साबले ने पुरुषों के 3000 मीटर स्टीपलचेज में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया है। अविनाश ने 8:19.50 मिनट के एशियन गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता है।

किशोर ने दुबई में हुई तैराकी प्रतियोगिता में हासिल किया पहला स्थान

जालौन। कोंच नगर भारत विकास परिषद इकाई के अध्यक्ष के 08 वर्षीय नाती ने दुबई में आयोजित हुई तैराकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर नगर व देश का नाम रोशन किया।

दुबई में रह रहे नगर के मोहल्ला जयप्रकाश नगर के निवासी आकाश गुप्ता के 08 वर्षीय पुत्र अक्षत गुप्ता ने बीते दिनों दुबई आयोजित हुई जूनियर वर्ग की तैराकी प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में सात देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

तीन राउंड में आयोजित हुई प्रतियोगिता में फ्री स्टाइल बैकस्ट्रोक और बटरफ्लाई सम्मलित थी। अक्षत ने तैराकी की तीनों प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पर रहकर नगर और देश का नाम रोशन किया है। अक्षत कक्षा 03 का छात्र है। उसके दादा (बाबा) मयंक मोहन गुप्ता कोंच भारत नगर विकास परिषद इकाई के अध्यक्ष हैं और दादी प्रेमा गुप्ता समाज सेविका हैं।भारत विकास परिषद की महिला शाखा का वह नेतृत्व करती हैं। उनके इष्टमित्रों ने बच्चे की सफलता के लिए उन्हें बधाईयां दी हैं।

अदिति अशोक ने रचा इतिहास, एशियन गेम्स गोल्फ में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

हांगझू। भारत की अदिति अशोक ने महिलाओं की व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। शुरुआती तीन राउन्ड तक अदिति बढ़त बनाए हुए थीं लेकिन अंतिम समय में उनका कुछ शॉट इधर-उधर चले जाने से वह थोड़ा पीछे हो गईं।

25 वर्षीय अदिति वेस्ट लेक इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स में 67-66-61-73 के राउंड के साथ 17-अंडर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वो थाईलैंड की अर्पिचया युबोल से पीछे रह गईं, जिन्होंने 67-65-69-77 राउंड के साथ 19-अंडर के साथ स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया के ह्यूंजो यू ने 16-अंडर और 67-67-68-65 राउंड के साथ कांस्य पदक जीता। शिव कपूर के बाद अदिति अशोक एशियन गेम्स गोल्फ में व्यक्तिगत पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय और पहली महिला भी बनीं। 2002 के बुसान एशियन गेम्स में शिव कपूर ने स्वर्ण पदक जीता था। इंडियन गोल्फ यूनियन के प्रेसीडेंट बृजिंदर सिंह अदिति अशोक को उनके ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। वहीं, आईजीयू प्रेसीडेंट बृजिंदर सिंह ने कहा कि यह एक लंबा इंतजार रहा है। प्रोफेशनल्स को खेलने की अनुमति मिलने से कंपीटीशन कठिन हो गया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अदिति की यह ऐतिहासिक और शानदार जीत है। अदिति को बहुत बहुत बधाई। वहीं प्रतियोगिता में भारत के अन्य दो प्रतिभागी प्रणवी यूआरएस शरथ और अवनी प्रशांत क्रमशः 12वें और 17वें स्थान पर रहे। एशियाई खेलों के इतिहास में भारत के पास फिलहाल गोल्फ में सात पदक (तीन स्वर्ण और चार रजत) हैं। 2010 के गुआंगजौ खेलों में राहुल बजाज, अभिजीत सिंह चड्ढा और राशिद खान और अभिनव लोहान की तिकड़ी के रजत पदक जीतने के बाद भारत ने एशियाई खेलों में गोल्फ पदक के लिए अपना 13 साल का इंतजार भी समाप्त कर दिया।

एशियाई खेल: कैनो और कयाक स्पर्धा में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन

हांगझू। भारतीय कैनोइस्ट नीरज वर्मा सोमवार को हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में पुरुषों की डोंगी 1000 मीटर एकल प्रतियोगिता के फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। नीरज ने 4:36.314 मिनट का समय निकाला और सातवें स्थान पर रहे। चीनी ताइपे के कुआन-चीह लाई ने स्वर्ण (4:15.942 मिनट) पर कब्जा किया, जबकि उज्बेकिस्तान के व्लाडलेन डेनिसोव (4:15.994 मिनट) और कजाकिस्तान के टिमोफे येमेल्यानोव (4:18.810 मिनट) को क्रमशः रजत और कांस्य मिला। पुरुषों की 1000 मीटर एकल कैनोइंग स्पर्धा के सेमीफाइनल में, नीरज ने 4:31.626 मिनट का समय लेकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। महिलाओं की कैनो 500 मीटर डबल प्रतियोगिता की बात करें तो भारत 2:17.614 मिनट का समय निकालकर नौवें और अंतिम स्थान पर रहा। स्वर्ण पदक चीन (2:01.409 मिनट), रजत कजाकिस्तान (2:08.125 मिनट) और कांस्य थाईलैंड (2:08.257 मिनट) को मिला। महिला युगल टीम में मेघा प्रदीप और शिवानी वर्मा थीं।

एशियन खेल : भारतीय महिला और पुरुष टीम ने 3000 मीटर स्पीड स्केटिंग रिले रेस में जीता कांस्य

हांगझू। एशियाई खेलों में सोमवार को भारतीय महिला और पुरुष टीम 3000 मीटर स्पीड स्केटिंग रिले रेस में भारत के लिए दो कांस्य पदक जीते। संजना बथुला, कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी राज की महिला टीम ने 4:34.861 का स्कोर करके पोडियम फिनिश सुनिश्चित की।

चीनी ताइपे ने 4:19.447 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, उसके बाद दक्षिण कोरिया ने 4-21.146 के समय के साथ रजत पदक पर कब्जा किया।

वहीं भारतीय पुरुष टीम ने स्केटिंग में भारत के लिए आज का दूसरा पदक जीता। भारत के आर्यनपाल घुमन, आनंदकुमार वेलकुमार, सिद्धांत कांबले, विक्रम इंगले 4:10.128 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीनी ताइपे ने 4:05. 692 के समय के साथ स्वर्ण जीता, दक्षिण कोरिया ने 4:05. 702 के समय के साथ रजत पदक जीता। बता दें कि भारत ने अब तक इन खेलों में कुल 55 पदक जीत लिये हैं, जिनमें 13 स्वर्ण, 21 रजत और 21 कांस्य पदक शामिल है।

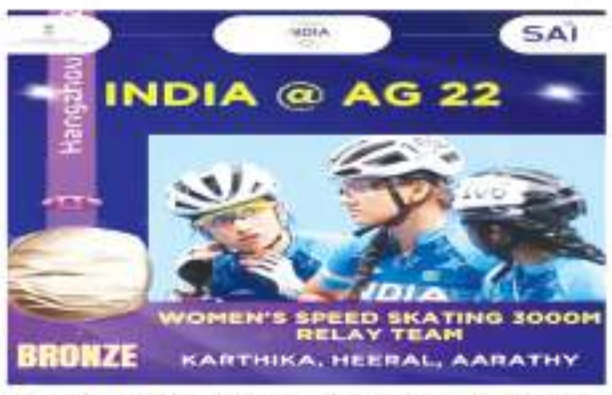

एशियाई खेल: विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में की पीटी उषा के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

हांगझू। भारतीय एथलीट विथ्या रामराज ने हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हुए पीटी उषा के 39 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। जेसी संदेश, मोहम्मद अफसल पुलिककलाकाथ और कृष्णन कुमार जैसे अन्य एथलीटों ने भी पदक दौर में जगह बनाई है। महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में, विथ्या 55.42 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ अपनी हीट एक में शीर्ष पर और कुल मिलाकर दूसरे नंबर पर रहीं और फाइनल में जाने वाले शीर्ष पांच एथलीटों में शामिल रहीं। दूसरी हीट में कावेराम सिंचल रवि 58.62 के समय के साथ हीट दो में चौथे और सबसे निचले स्थान पर रहीं और मेडल राउंड के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकीं। वह कुल मिलाकर दसवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की ऊंची कूद में, हालांकि जेसी संदेश और अनिल सर्वेश कुशारे फाइनल में पहुंचने में कामयाब रहे, लेकिन उनमें से कोई भी स्वचालित योग्यता चिह्न 2.26 मीटर की छलांग नहीं लगा सका। जेसी 2.10 मीटर की छलांग के साथ ग्रुप ए में छठे स्थान पर रहे जबकि अनिल 2.10 मीटर की छलांग के साथ ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रहे। दोनों एथलीट दसवें और ग्यारहवें स्थान अर्जित करने में सफल रहे और पदक दौर की योग्यता हासिल करने वाले शीर्ष 12 एथलीटों में शामिल हो गए।

एशियाई खेल: घुड़सवारी स्पर्धा के फाइनल में चौथे स्थान पर रहे विकास कुमार

हांगझू। विकास कुमार ने सोमवार को हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में घुड़सवारी स्पर्धा के फाइनल में चौथा स्थान हासिल किया। 29 वर्षीय विकास अपने घोड़े नॉवें हैरी पर था।इस बीच, एक टीम के रूप में भारत, फाइनल में पांचवें और आखिरी स्थान पर रहा, क्योंकि रविवार को आशीष लिमये के बाहर होने से भारतीय टीम 1,000 अंक पीछे हो गई और टीम ने 1077.20 पेनल्टी अंकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

जंपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को शुरू होगा जिसमें तेजस ढींगरा, कीरत सिंह नागरा और यश नेन्सी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के पास फिलहाल हांग्जो एशियाई खेलों की घुड़सवारी स्पर्धा में दो पदक हैं। अनूश अग्रवाल ने गुरुवार को हांग्जो एशियाई खेलों में घुड़सवारी स्पर्धा में पदक हासिल किया था। उन्होंने ड्रेसेज इंडिविजुअल इंटरमीडिएट ड्डू फ्रीस्टाइल में 73.030 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। यह घुड़सवारी में भारत का पहला व्यक्तिगत पदक भी है। मलेशिया के फातिल महामद ने 75.780 अंकों के साथ स्वर्ण और हांगकांग की जैकलीन विंग यिंग ने 73.450 अंकों के साथ रजत पदक जीता। भारतीय राइडर हृदय चेड्डा ने भी पदक स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन वह बाहर हो गए।इससे पहले, अनुष, हृदय, दिव्यकृति और सुदीप्ति की भारतीय टीम ने टीम ड्रेसेज में 209.205 का बड़ा स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। अनूष अग्रवाल और उनके घोड़े एट्रो का अधिकतम स्कोर 71.088 रहा, जबकि हृदय छेड़ा-एमराल्ड का स्कोर 69.941 रहा। दिव्याकृति सिंह-एड्रेनालिन फिरदोद ने 68.176 स्कोर किया। सुदीप्ति हाजेला-चिन्स्की ने 66.706 अंक हासिल किये। यह 41 साल बाद इस खेल में भारत का पहला स्वर्ण था।

भारत की पुरुष, महिला, मिश्रित तीरंदाजी टीमें कंपाउंड, रिकर्व स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में

हांगझू। भारतीय पुरुष कंपाउंड और रिकर्व तीरंदाजी टीमें सोमवार को हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंच गई, जबकि महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने भी अंतिम आठ में अपना टिकट पक्का कर लिया। ओजस देवताले, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश जावकर की भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने प्री-क्वार्टर में सिंगापुर को करीबी मुकाबले में 235-219 से हराया, जिसमें टीम ने चार छोर पर 58, 59, 59 और 59 का स्कोर किया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला 5 अक्टूबर को भूटान से होगा।

महिला कंपाउंड तीरंदाजी में भारतीय टीम को प्री-क्वार्टर में बाई मिली थी और अब गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला हांगकांग से होगा। इसके अलावा, अतनु दास, धीरज बोम्मदेवरा और तुषार शेल्के की पुरुष रिकर्व टीम ने प्री-क्वार्टर चरण में हांगकांग पर 58-47, 57-49 और 57-55 के स्कोर के साथ 6-0 से जीत हासिल की। भारत ने यह मैच सीधे सेटों में जीत लिया। अंकिता भक्कट, भजन कौर और सिमरजीत कौर की महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने प्री-क्वार्टर में थाईलैंड पर 5-1 से जीत हासिल की। रिकर्व टीमों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले 6 अक्टूबर को होंगे। भारत पुरुष रिकर्व तीरंदाजी में मंगोलिया और महिला रिकर्व में जापान से खेलेगा। इसके अलावा, मिश्रित टीमों की बात करें तो भारत की रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाजी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। रिकर्व मिश्रित टीम प्री-क्वार्टर में अतनु दास और अंकिता भक्कट की भारतीय टीम ने मलेशिया को 6-2 से हराया।

अनुराग ठाकुर ने कांस्य पदक जीतने के लिए भारतीय पुरुष, महिला स्केटिंग टीमों को दी बधाई

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने के लिए भारतीय पुरुष और महिला स्केटिंग टीमों को बधाई दी है। हीरल साधु, कार्तिका जगदीश्वरन और आरती कस्तूरी राज की भारतीय महिला स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले टीम ने सोमवार को फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। कुछ मिनट बाद, पुरुषों की स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले टीम ने भी फाइनल में तीसरा स्थान हासिल किया। टीम में आर्यन पाल, आनंद कुमार, सिद्धांत और विक्रम शामिल थे। अनुराग ने एक्स पर लिखा,रोलर स्पोर्ट्स में कार्तिका जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी राज को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई, जिसने उन्हें एशियाई खेलों में महिला स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में कांस्य पदक दिलाया, उनके अविश्वसनीय गति, त्रुटिहीन संतुलन और उल्लेखनीय टीमवर्क प्रदर्शन ने इस प्रभावशाली उपलब्धि को जन्म दिया। प्रत्येक कदम ने उनके समर्पण और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया, जिससे देश गर्व से झूम उठा। हमारी महिला स्केटर्स का एक शानदार प्रयास!!''4:34.861 मिनट के समय के साथ भारत कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहा। स्वर्ण पदक चीनी ताइपे (4:19.447 मिनट) को और रजत पदक दक्षिण कोरिया (4:21.146 मिनट) को मिला।बाद में, पुरुष टीम को बधाई देते हुए, खेल मंत्री ने फिर से ट्वीट किया, 'स्पीड स्केटिंग में बैक-टू-बैक पदक, पुरुषों की स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आनंदकुमार वेलकुमार, विक्रम राजेंद्र इंगले और सिद्धांत राहुल कांबले को बहुत-बहुत बधाई।

पर्सनल इमरजेंसी के कारण मुंबई रवाना हुए विराट कोहली : रिपोर्ट

तिरुवनंतपुरम । करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली के व्यक्तिगत आपात स्थिति के कारण गुवाहाटी से मुंबई के लिए उड़ान भरने के बाद यहां भारतीय टीम में शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय टीम मंगलवार को नीदरलैंड के खिलाफ अपने दूसरे अभ्यास मैच से पहले रविवार शाम को तिरुवनंतपुरम में उतरी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पुष्टि की कि कोहली निजी कारणों से मुंबई गए थे। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से आगे कहा गया, 'विराट जल्द ही टीम से जुड़ेंगे।' गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ भारत का पहला अभ्यास मैच शनिवार को एक भी गेंद फेंके बिना बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी संभावना है कि भारत का दूसरा अभ्यास मैच भी बारिश से पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रभावित हो सकता है। सोमवार को उनका अभ्यास सत्र भी मौसम के ठीक रहने पर निर्भर है जिसमें तूफान की भविष्यवाणी की गई है। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के एक अपडेट में कहा गया है, 'भारत सेंट जेवियर्स कॉलेज क्रिकेट ग्राउंड में दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक ट्रेनिंग करेगा।' तिरुवनंतपुरम में अब तक अभ्यास मैच बारिश से प्रभावित रहे हैं। 29 सितंबर को दक्षिण अफ्रीका-अफगानिस्तान का खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था, जबकि 30 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया-नीदरलैंड के बीच मुकाबला 23 ओवर का हो गया था, लेकिन बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 03 अक्टूबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

भारतीय योग संस्थान का 57वां योग दिवस संपन्न

संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कराए गए सामूहिक योगाभ्यास का दृश्य बड़ा ही मनमोहक था, 10,000 से अधिक साधक साधिकाओं ने श्वेत वस्त्र धारण किए हुए थे

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

छत्रसाल स्टेडियम, मॉडल टाउन में भारतीय योग संस्थान का 57वां भव्य योग दिवस समारोह सम्पन्न हुआ। 10,000 से अधिक साधक साधिकाओं ने श्वेत वस्त्र धारण किए हुए थे। ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, शंखनाद, सरस्वती बन्दना, स्वच्छंद आकाश में उड़ते रंग बिरंगे गुब्बारों व शांति के प्रतीक सफेद कबूतरों ने सबका मन मोह लिया।

इस कार्यक्रम में दिल्ली के बाहर से गाजियाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, रोहतक, नोएडा, खतौली, उकलाना, नरवाना, टोहाना आदि शहरों से भी साधक-साधिकाओं ने भाग लिया। संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कराए गए सामूहिक योगाभ्यास का दृश्य बड़ा ही मनमोहक था। संगीत समिति ने मधुर, प्रेरक व सामूहिक गीत प्रस्तुत किया "वंदे योगम् योगम् शरणम्।" छत्रसाल स्टेडियम में भारतीय योग संस्थान द्वारा आयोजित 57 व योग दिवस के अवसर पर संस्थान के अखिल भारतीय प्रधान देस राज ने कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 10,000 साधकों व दर्शकों

योगाभ्यास

8 जब मधुमेह का रोगी नियमित योगाभ्यास व प्राकृतिक जीवनशैली को अपनाता है तो वह इस रोग को नियन्त्रित कर लेता है

को हार्दिक बधाई दी एवं संस्थान का परिचय देते हुए "मधुमेह रोग व योग" पर सारगर्भित वार्ता दी।

देस राज ने बतलाया कि मधुमेह का रोग आधुनिक, निष्क्रिय व तनावयुक्त जीवन शैली का परिणाम है। उन्होंने मधुमेह रोग के कारण व दुष्परिणाम बतलाते हुए बताया कि जब मधुमेह का रोगी नियमित योगाभ्यास व प्राकृतिक जीवनशैली को अपनाता है तो वह इस दुसाध्य रोग को नियन्त्रित करते हुए एक अच्छा जीवन जी सकता है।

इस अवसर पर भारतीय योग संस्थान के महामंत्री ललित गुप्ता ने सर्वप्रथम संस्थान के संस्थापक श्रद्धेय स्व. श्री प्रकाश लाल जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उन्होंने संस्थान की स्थापना भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए की। उन्होंने बताया कि आज संस्थान के 4500 से अधिक योग साधना केन्द्र भारत के अतिरिक्त यू.के., यू.एस.ए., ऑस्ट्रेलिया, मॉरीशस, फीजी, दुबई, नेपाल, कनाडा, चीन तथा ताईवान में भी निःशुल्क चल रहे हैं। लाखों साधक प्रतिदिन इन केन्द्रों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, नैतिक एवं चारित्रिक लाभ उठाते हुए उपने जीवन को निरोगी व आनन्दित बना रहे हैं।

यूपीः बाढ़ प्रभावित जिलों में नहीं सोया कोई भूखा

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों में जनहानि को रोकने में काफी हद तक कामयाब रही है। इसकी वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जनपदों का लगातार हवाई सर्वे के साथ स्थलीय निरीक्षण रहा है। इतना ही नहीं उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर वहां के लोगों से संवाद के साथ उनके लिए की गई व्यवस्था का बारीकी से मुआयना किया। ऐसे में अत्याधिक बाढ़ प्रभावित 20 जनपदों की 84 तहसीलों में 1310 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गयी।

साथ ही 2647 मेडिकल टीम का गठन किया गया। वहीं 69,726 खाद्यान्न सामग्री पैकेट और 4,65,048 लंच पैकेट वितरित किये गये।

प्रदेश के 37 जिलों में हुई सामान्य से अधिक बारिशः भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश के 13 जनपदों में 1 जून से 15 सितंबर तक

समीक्षा बैठक

8 बांटे गये साढ़े चार लाख लंच पैकेट, मानसून के सक्रिय होने से पहले सीएम की समीक्षा बैठक का दिखा असर

अतिवृष्टि यानी 120 प्रतिशत से अधिक बारिश रिकार्ड की गयी है। इनमें ज्यादातर इलाके पश्चिमी यूपी के हैं। इसी तरह प्रदेश के 24 जिलों में सामान्य से अधिक यानी 120 से 80 प्रतिशत बारिश दर्ज की गयी है।

अरुणाचलः दो उल्फा-आई कैडरों को किया गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/ईटानगर

सुरक्षा बलों ने सोमवार (2 अक्टूबर) को अरुणाचल प्रदेश में उल्फा-आई के दो कैडरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने तिरप जिले में एक अभियान के दौरान उल्फा कैडरों को गिरफ्तार किया। राज्य के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इनपुट के आधार पर असम राइफल्स की खोंसा बटालियन और अरुणाचल प्रदेश पुलिस की एक संयुक्त टीम ने रविवार को विद्रोहियों को गिरफ्तार कर लिया।

वंदे भारत ट्रेन को पलटाने की साजिश

टीम एक्शन इंडिया/भीलवाड़ा

उदयपुर से जयपुर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को सोमवार सुबह पटरी से उतारने की साजिश रची गई। षड्यंत्र के तहत ट्रैक पर पत्थर और लोहे के सरिए बिछाए गए थे, लेकिन लोको पायलट की सजगता से बड़ी दुर्घटना टल गई। भीलवाड़ा से करीब चालीस किलोमीटर दूर चित्तौड़ जिले में सोनियाणा व गंगरार रेलवे स्टेशन के बीच अज्ञात बदमाशों ने पत्थर और लोहे की कील लगा कर ट्रेन को पलटाने का प्रयास किया। जानकारी मिलने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा बल भीलवाड़ा की टीम

मौके पर पहुंची। एक सप्ताह में ही यह दूसरा प्रयास है। इससे पहले ट्रेन का उद्घाटन होने के अगले ही दिन पथराव किया गया था। अब ट्रेन को पटरी से नीचे उतारने की साजिश रची गई। वंदे भारत ट्रेन उदयपुर से सुबह सात बजकर पचास मिनट पर रवाना होकर चित्तौड़गढ़ पहुंची थी। यहां से करीब साढे नौ बजे भीलवाड़ा के लिए निकली थी। इस बीच रास्ते में सोनियाणा व गंगरार रेलवे स्टेशन के बीच लोको पायलट को पटरियों में कुछ गड़बड़ी की आशंका हुई। लोको पायलट ने ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन से उतरकर देखा तो करीब पचास फीट की पटरी पर पत्थर, कीले और सरिए पड़े दिखे। उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इस पर रेलवे सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंची। पिछली बार पथराव की घटना मेवाड़ विश्वविद्यालय के सामने ही हुई थी।

विरोध चौधरी बीरेंद्र सिंह ने रैली कर भाजपा हाईकमान पर गठबंधन तोड़े को बनाया दबाव

भाजपा-जजपा गठबंधन में नहीं होंगे शामिलः बीरेंद्र सिंह

साधा निशाना

टीम एक्शन इंडिया/जींद

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में भाजपा और जजपा का गठबंधन होगा तो वह पार्टी में नहीं रहेंगे। बीरेंद्र सिंह ने बिना दुष्यंत चौटाला का नाम लिए कहा कि जेजेपी जब हरियाणा में आई थी तो लोगों को उनमें देवीलाल नजर आने लगे थे, लेकिन जितना भ्रष्टाचार जेजेपी ने किया है उतना बड़ा धोखा किसी ने भी राजनीति में जनता के साथ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि लोग उनके पास आकर बोलते हैं कि सीधे जाओ तो आठ प्रतिशत

और बिचौलिए को लेकर जाओ तो दस प्रतिशत देना पड़ता है। अगर भाजपा सही तरीके से हरियाणा में चुनाव लड़ना चाहती है तो जजपा को बाहर का रास्ता दिखाना होगा। इसके बाद फिर से लोग भाजपा की बात सुनने लग जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा के कई बड़े नेता यह बोलते हैं कि बीरेंद्र सिंह को भाजपा ने इतना बड़ा सम्मान दिया कि सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में शामिल हुए, लेकिन वह भाजपा को बताना चाहते हैं कि बीरेंद्र सिंह, राव इंद्रजीत, कृष्ण पंवार, रमेश कौशिक ने ही भाजपा की हरियाणा में ज्योति

8 हरियाणा में भाजपा और जजपा का गठबंधन होगा तो वह पार्टी में नहीं रहेंगेः बीरेंद्र सिंह

जलाने का काम किया था। उनके बिना हरियाणा में कुछ नहीं था। वह पार्टी छोड़ कर आए थे और फिर भाजपा को सत्ता में लाने का काम किया, जिस पर भाजपा ने उन्हें यह सम्मान दिया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह सोमवार को एकलव्य स्टेडियम में आयोजित मेरी आवाज सुनो कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।